कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-17 01-15 सितंबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

‘हमारा तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है’

“आनेवाले 25 सालों के लिए हमें ‘पंच प्रण’ पर अपनी शक्ति केंद्रित करनी होगी”

विचलित करनेवाली है विभाजन विभीषिका की व्यथा कथा

दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

तेलंगाना की भ्रष्टाचारी टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 15 अगस्त, 2022 को 76वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' फहराते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

मेरठ (उत्तर प्रदेश) में 13 अगस्त, 2022 को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्रा में भाग लेते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

जंतर-मंतर (नई दिल्ली) में 14 अगस्त, 2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर आयोजित 'मौन जुलूस' के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं अन्य वरिष्ठ भाजपा नेतागण

नलगोंडा (तेलंगाना) में 21 अगस्त, 2022 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

पंचकुला (हरियाणा) में 20 अगस्त, 2022 को नए भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करते रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री ओपी धनखड़

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 'अमृत काल' में 'पंच प्रण' का किया आह्वान

देश के 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व भर में फैले हुए भारत प्रेमियों और भारतीयों को आजादी के अमृत महोत्सव की बधाई दी...

12 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर कार्यक्रम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ...

14 हमारा तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अगस्त] 2022...

25 'आज गोवा देश का पहला राज्य बना है, जिसे हर घर जल सर्टिफाई किया गया'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अगस्त को जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल उत्सव को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया...

27 तेलंगाना के विकास के लिए राज्य की भ्रष्टाचारी टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 21 अगस्त...

वैचारिकी
जीवन का सुख / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 23

श्रद्धांजलि
बिहार के पूर्व सहकारिता मंत्री सुभाष सिंह नहीं रहे 24

लेख
विचलित करनेवाली है विभाजन विभीषिका की व्यथा कथा / **तरुण चुघ** 30
अमृत काल के अटल प्रण से भारत बनेगा विकसित राष्ट्र, युवाओं पर बड़ी जिम्मेदारी / **राजू बिष्ट** 32

अन्य
20 करोड़ से अधिक परिवारों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया 13
'हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश की जनता का विश्वास केवल और केवल भाजपा पर है' 15
'प्रधानमंत्री के जीवन का हर पल देश सेवा को समर्पित है' 16
भाजपा संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति गठित 17
10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिल रहा 'नल से जल' 18
दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा ने किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन 26
अमृत काल में एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए भारत की श्रम शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है: नरेन्द्र मोदी 28
युवाओं को रोजगार और बेरोजगारी भत्ता की मांग को लेकर भाजयुमो ने निकाला मार्च 29
सर्वाधिक लोकप्रिय वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता बरकरार 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हमारी विरासत पर हमें गर्व होना चाहिए। जब हम अपनी धरती से जुड़ेंगे, तभी तो ऊंचा उड़ेंगे और जब हम ऊंचा उड़ेंगे, तब हम विश्व को भी समाधान दे पाएंगे।

जगत प्रकाश नड्डा

कुशल संगठनकर्ता, प्रखर राष्ट्रवादी, जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरेजी की जयंती (15 अगस्त) पर शत-शत नमन। राष्ट्र व संगठन के प्रति आपकी निष्ठा एवं अटूट समर्पण भाव हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

अमित शाह

मोदीजी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रख हमारे वीर सेनानियों के एक सशक्त व 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को चरितार्थ कर रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव पर सभी से अपील करता हूं कि शताब्दी वर्ष तक भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने की इस अविरल विकास यात्रा में परिश्रम की पराकाष्ठा कर अपना योगदान दें।

राजनाथ सिंह

भारत के तिरंगे में गजब का करिश्मा है। यदि भारत का तिरंगा हाथ में आ जाता है तो गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है और उसकी रक्षा के लिए चाहे जिस हद तक जाना हो, हर भारतवासी उस हद तक जाने को तैयार है।

बी.एल. संतोष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयातित खिलौनों को ना कहने और सशस्त्र बलों द्वारा स्वदेश निर्मित उपकरणों को अपनाने के लिए दोनों की प्रशंसा की है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

सुधा यादव

संगठन के विचार और सरकार की परियोजनाओं को देवतुल्य जनता के बीच ले जाने का कार्य पार्टी का कार्यकर्ता ही करता है, जिसके कारण आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक दल बन पाया है।

संपादकीय

हमारा प्रण विकसित भारत

'अमृतकाल' के प्रथम प्रभात में लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ऐतिहासिक उद्बोधन में वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का आह्वान किया है। दूरदर्शी नेतृत्व, प्रेरणादायी संकल्प एवं दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति से भरे अपने उद्बोधन से उन्होंने पूरे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा भर दी है। राष्ट्रव्यापी 'आजादी का अमृत महोत्सव' से पहले ही पूरा देश नए उत्साह एवं उमंग से ओत-प्रोत था। 'हर घर तिरंगा अभियान' ने जन-जन में स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को पुनः जागृत कर दिया तथा करोड़ों लोग देश के लिए अपने दायित्वबोध को पुनः स्मरण कर मां भारती की सेवा में जुटे रहने के लिए कृतसंकल्पित हुए। आजादी के अमृत महोत्सव' के भव्य आयोजनों के मध्य पूरे राष्ट्र ने विभाजन के उस काले इतिहास को भी 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया। इस विभीषिका के करोड़ों बलिदानियों एवं विस्थापितों को पूरे देश ने याद किया। 15 अगस्त, 2022 को जब देश के 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब राष्ट्र को संबोधित किया, एक नया भारत जो विकसित एवं आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं सशक्त, ऊर्जावान एवं अदम्य तथा प्राचीन परंपराओं के अनुरूप विश्व कल्याण को समर्पित- ऐसे भारत का क्षितिज से उदय होता स्पष्ट दृष्टिगत हो रहा था।

> दूरदर्शी नेतृत्व, प्रेरणादायी संकल्प एवं दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति से भरे अपने उद्बोधन से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा भर दी है

एक विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने प्रेरक उद्बोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को 'पंच प्रण' के लिए 'अमृतकाल' में प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। पहले प्रण में उन्होंने वर्ष 2047, जब देश आजादी का 100वां वर्ष मना रहा होगा, तब तक विकसित भारत के निर्माण का प्रण लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित देश बनने के लिए दूसरों पर निर्भरता कम कर, औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलकर स्व की शक्ति एवं बौद्धिक क्षमता को आधार बनाना पड़ेगा। दूसरे प्रण में उन्होंने औपनिवेशिक मानसिकता के हर चिन्ह को दूर कर विकसित भारत बनाने का आह्वान किया। तीसरे प्रण के रूप में उन्होंने भारत की समृद्ध विरासत एवं इसकी मजबूत जड़ों पर गौरव महसूस करने का आह्वान किया। चौथे प्रण में सबको देश की एकता के लिए योगदान करने का आह्वान करते हुए उन्होंने पांचवें प्रण के रूप में हर नागरिक से अपने कर्तव्यों के पालन करने का आह्वान किया। 'राष्ट्र प्रथम' का मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि यदि इस मंत्र को ध्यान में रखते हुए हर निर्णय लिए गए, तब देश की एकता स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। साथ ही, उन्होंने अनुशासित जीवन एवं कर्तव्यबोध से युक्त जीवन के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो किसी भी राष्ट्र को शिखर पर ले जा सकने वाले सिद्धांत हैं। एक अत्यंत महत्वपूर्ण आह्वान में महिलाओं के किसी भी प्रकार के अपमान को समाज में समाप्त करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि बिना अपनी महिलाओं की शक्ति पर भरोसा किए कोई भी देश आगे नहीं बढ़ सकता। 'जवान, जय किसान' के उद्घोष में अटलजी ने 'जय विज्ञान' जोड़ा था। अनुसंधान एवं नवाचार के महत्व पर बल देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस उद्घोष में 'जय अनुसंधान' जोड़कर देश को एक नई दिशा दिखाई है।

'त्रि-शक्ति' के रूप में जहां एक ओर 'एस्पिरेशनल सोसायटी' की अपेक्षाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने सामूहिक चेतना के पुनर्जागरण तथा आज जिस प्रकार पूरा विश्व अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है, उसे देश की एक बड़ी पूंजी बताया।

प्रधानमंत्रीजी ने भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक निर्णायक युद्ध का भी आह्वान किया। आज जब भारत अपनी 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी की है, कई ऐसे सपने हैं जिन्हें साकार करना अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की शक्ति को 'अमृतकाल' में सही उपयोग कर विश्व कल्याण के लिए समर्पित एक विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सकता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के साथ 'सबका प्रयास' जोड़ते हुए उन्होंने जन-जन से अपनी पूरी शक्ति को अमृतकाल के 25 वर्षों में 'आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत' को समर्पित करने का आह्वान किया। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री न
आजादी के ‘अ
‘पंच प्रण’ का

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 25 साल की यात्रा को देश के
में विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत प
पालन के ‘पंच प्रण’ का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि आज
पुण्य पड़ाव, एक नयी राह, एक नए संकल्प और न

नरेन्द्र मोदी ने 'अमृत काल' में ... किया आह्वान

...के लिए 'अत्यंत महत्वपूर्ण' करार दिया और इस 'अमृत काल' ...र गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य ...ादी का 76वां स्वतंत्रता दिवस एक ऐतिहासिक दिन है और यह ...ए सामर्थ्य के साथ कदम बढ़ाने का शुभ अवसर है

देश के 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व भर में फैले हुए भारत प्रेमियों और भारतीयों को आजादी के अमृत महोत्सव की बधाई दी।

पारंपरिक कुर्ता और चूड़ीदार पायजामे के ऊपर नीले रंग का जैकेट तथा तिरंगे की धारियों वाला सफेद रंग का साफा पहने श्री मोदी ने कहा कि आज जब हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, अगले 25 वर्ष हमारे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह 130 करोड़ देशवासियों के सपनों को देखते हैं और उनके संकल्पों की अनुभूति करते हैं तो आने वाले 25 साल के लिए देश को 'पंच प्रण' पर अपनी शक्ति, अपने संकल्पों और अपने सामर्थ्य को केंद्रित करना है।

उन्होंने कहा कि हमें पंच प्रण को लेकर 2047 तक चलना है। जब आजादी के 100 साल होंगे, आजादी के दीवानों के सारे सपने पूरा करने का जिम्मा उठा करके चलना है। श्री मोदी ने 'विकसित भारत' को पहला प्रण बताया और कहा कि इससे कुछ कम नहीं होना चाहिए।

गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाने को उन्होंने दूसरा प्रण बताया और कहा कि गुलामी का एक भी अंश अगर अब भी है, तो उसको किसी भी हालत में बचने नहीं देना है। श्री मोदी ने कहा कि इस सोच ने कई विकृतियां पैदा कर रखी हैं, इसलिए गुलामी की सोच से मुक्ति पानी ही होगी।

प्रधानमंत्री ने विरासत पर गर्व करने को तीसरा प्रण बताया और कहा कि यही वह विरासत है जिसने भारत को स्वर्णिम काल दिया है। उन्होंने एकता और एकजुटता को चौथा प्रण और नागरिकों के कर्तव्य को पांचवां प्रण बताया।

जब संकल्प बड़े होते हैं तो पुरुषार्थ भी बहुत बड़ा होता है

श्री मोदी ने कहा कि जब सपने बड़े होते हैं...जब संकल्प बड़े होते हैं तो पुरुषार्थ भी बहुत बड़ा होता है। शक्ति भी बहुत बड़ी मात्रा में जुट जाती है। उन्होंने कहा कि आज जब अमृत काल की पहली प्रभात है, हमें इस 25 साल में विकसित भारत बनाकर ही रहना है। अपनी आंखों के सामने इसे करके दिखाना है।

उल्लेखनीय है कि भारत 1947 में आजाद हुआ और उसने 2022 में आजाद देश के रूप में 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। केंद्र सरकार ने अगले 25 साल के कालखंड को 'अमृत काल' का नाम दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज विश्व भारत की तरफ गर्व से देख रहा है, उसे अपेक्षा से देख रहा है तथा समस्याओं का समाधान भारत की धरती पर खोजने लगा है। उन्होंने कहा कि विश्व की सोच में यह परिवर्तन भारत की 75 साल की यात्रा का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि आज का यह दिवस ऐतिहासिक है। यह एक पुण्य पड़ाव, एक नयी राह, एक नए संकल्प और नए सामर्थ्य के साथ कदम बढ़ाने का शुभ अवसर है। प्रधानमंत्री ने भारत की विविधता की

भारत की विविधता ही भारत की अनमोल शक्ति है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को 76वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित किया। श्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की विविधता, उसकी बढ़ती शक्ति तथा विश्व में भारत के बढ़ते सम्मान का उल्लेख किया। उन्होंने सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के लिए पंच प्रण व महिलाओं का सम्मान करना जरूरी बताया। श्री मोदी ने कहा कि भारत की विविधता ही भारत की अनमोल शक्ति है। शक्ति का एक अटूट प्रमाण है। दुनिया को पता नहीं था कि भारत के पास एक आतंरिक सामर्थ्य है, एक संस्कार सरिता है और वो है— 'भारत लोकतंत्र की जननी है।' यहां प्रस्तुत है उनके संबोधन की मुख्य बातें:

आकांक्षी समाज की आकांक्षा को पूरा करने का सुनहरा अवसर

- आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देशवासियों को अनेक शुभकामनाएं। मैं विश्व भर में फैले हुए भारत प्रेमियों को, भारतीयों को आजादी के इस अमृत महोत्सव की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।
- आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो पिछले 75 साल में देश के लिए जीने-मरने वाले, देश की सुरक्षा करने वाले, देश के संकल्पों को पूरा करने वाले सभी लोगों के योगदान का स्मरण करने का अवसर है।
- 75 साल की हमारी यह यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से भरी हुई है। सुख-दुःख की छाया मंडराती रही है और इसके बीच भी हमारे देशवासियों ने उपलब्धियां हासिल की हैं, पुरुषार्थ किया है, हार नहीं मानी है, संकल्पों को ओझल नहीं होने दिया है।
- भारत की विविधता ही भारत की अनमोल शक्ति है। शक्ति का

सराहना करते हुए यह भी कहा कि भले ही कभी-कभी प्रतिभाएं भाषा के बंधनों में बंध जाती हैं, लेकिन देशवासियों को देश की हर भाषा पर गर्व करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत में बहुत सारी भाषाएं हैं। कभी-कभी हमारी प्रतिभाएं भाषा के बंधनों में बंध जाती हैं, ये गुलामी की मानसिकता का परिणाम है। हमें हमारे देश की हर भाषा पर गर्व होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की विविधता का जश्न मनाने की जरूरत है।

भारत लोकतंत्र की जननी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और विविधता इसकी ताकत है। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने साबित कर दिखाया है कि हमारे पास हमारी विविधता से एक अंतर्निहित ताकत है और राष्ट्रभक्ति का धागा भारत को अटूट बनाता है।

प्रधानमंत्री ने आजादी के 75 साल पूरे होने के इस मौके पर आजादी के आंदोलन और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर, जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया सहित कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों एवं महापुरुषों को याद किया तथा उन्हें नमन किया।

प्रधानमंत्री लाल किले पर एनसीसी कैडेट से मिले

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले पर मौजूद एनसीसी कैडेट से संवाद किया। ये एनसीसी कैडेट लाल किले की प्राचीर के सामने भारत के भौगोलिक आकार का चित्रण करती हुई दीर्घा में बैठे थे।

श्री मोदी अपना भाषण पूरा करने के बाद 'ज्ञान पथ' दीर्घा की तरफ गए। उन्होंने वहां बैठे सभी एनसीसी कैडेट का अभिवादन किया और कुछ देर के लिए उनके साथ बातचीत की। कुछ कैडेट के साथ उन्होंने हाथ भी मिलाया।

ये कैडेट अपने अपने राज्य के पारंपरिक परिधान पहने हुए थे। गौरतलब है कि देश के विभिन्न स्कूलों से जुड़े कुल 792 कैडेट ने इस समारोह में हिस्सा लिया। ये लोग लाल किले की प्राचीर के सामने बनी 'ज्ञान पथ' दीर्घा में बैठे थे।

एक अटूट प्रमाण है। दुनिया को पता नहीं था कि भारत के पास एक आतंरिक सामर्थ्य है, एक संस्कार सरिता है, और वो है भारत लोकतंत्र की जननी है, Mother of Democracy है।

- 2014 में देशवासियों ने मुझे दायित्व दिया। आजादी के बाद जन्मा हुआ मैं पहला व्यक्ति था जिसको लाल किले से देशवासियों को गौरवगान करने का अवसर मिला।
- महात्मा गांधी का जो सपना था आखिरी इंसान की चिंता करने का, महात्मा गांधी जी की जो आकांक्षा थी अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति को समर्थ बनाने की, मैंने अपने आपको उसके लिए समर्पित किया है।
- अमृतकाल का पहला प्रभात Aspirational Society (आकांक्षी समाज) की आकांक्षा को पूरा करने का सुनहरा अवसर है। हमारे देश के भीतर कितना बड़ा सामर्थ्य है, एक तिरंगे झंडे ने दिखा दिया है। विश्व के हर कोने में हमारा तिरंगा आन-बान-शान के साथ लहरा रहा है।
- सरकारों को भी समय के साथ दौड़ना पड़ता है और मुझे विश्वास है चाहे केन्द्र सरकार हो, राज्य सरकार हो, स्थानीय स्वराज्य की संस्थाएं हों, किसी भी प्रकार की शासन व्यवस्था क्यों न हो, हर किसी को इस aspiration society को address करना पड़ेगा, उनकी आकांक्षाओं के लिए हम ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते।

भारत में सामूहिक चेतना का पुनर्जागरण

- हमने पिछले दिनों जिस ताकत का अनुभव किया है और वो है भारत में सामूहिक चेतना का पुनर्जागरण। आजादी के इतने संघर्ष में जो अमृत था, वो अब संजोया जा रहा है, संकलित हो रहा है।
- दुनिया कोरोना के काल खंड में वैक्सीन लेना या न लेना, वैक्सीन काम की है या नहीं है, उस उलझन में जी रही थी। उस समय मेरा गरीब देश ने दो सौ करोड़ डोज का लक्ष्य हासिल करके दुनिया को चौंका देने वाला काम कर दिखाया है।
- विश्व भारत की तरफ गर्व से देख रहा है। अपेक्षा से देख रहा है। समस्याओं का समाधान भारत की धरती पर दुनिया खोजने लगी है। विश्व का यह बदलाव, विश्व की सोच में यह परिवर्तन 75 साल की हमारी अनुभव यात्रा का परिणाम है।
- जब राजनीतिक स्थिरता हो, नीतियों में गतिशीलता हो, निर्णयों में तेजी हो, तो विकास के लिए हर कोई भागीदार बनता है। हम 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र लेकर चले थे, लेकिन देखते ही देखते देशवासियों ने सबका विश्वास और सबके प्रयास से उसमें और रंग भर दिए हैं।

> महासंकल्प, मेरा देश विकसित देश होगा, विकास के हरेक पैरामीटर में हम मानवकेंद्री व्यवस्था को विकसित करेंगे, हमारे केंद्र में मानव होगा, हमारे केंद्र के मानव की आशा–आकांक्षाएं होंगी। हम जानते हैं, भारत जब बड़े संकल्प करता है तो करके भी दिखाता है

पंच प्रण

- मुझे लगता है आने वाले 25 साल के लिए हमें पंच प्रण पर अपनी शक्ति केंद्रित करनी होगी। जब मैं पंच प्रण की बात करता हूं तो पहला प्रण है कि अब देश बड़े संकल्प लेकर ही चलेगा। दूसरा प्रण है हमें अपने मन के भीतर, आदतों के भीतर गुलामी का कोई अंश बचने नहीं देना है। तीसरी प्रण, हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। चौथा प्रण है एकता और एकजुटता और पांचवां प्रण है नागरिकों का कर्तव्य, जिसमें प्रधानमंत्री भी बाहर नहीं होता, मुख्यमंत्री भी बाहर नहीं होता।
- महासंकल्प, मेरा देश विकसित देश होगा, विकास के हरेक पैरामीटर में हम मानवकेंद्री व्यवस्था को विकसित करेंगे, हमारे केंद्र में मानव होगा, हमारे केंद्र के मानव की आशा-आकांक्षाएं होंगी। हम जानते हैं, भारत जब बड़े संकल्प करता है तो करके भी दिखाता है।
- जब मैंने यहां स्वच्छता की बात कही थी मेरे पहले भाषण में, देश चल पड़ा है, जिससे जहां हो सका, स्वच्छता की ओर आगे बढ़ा और गंदगी के प्रति नफरत एक स्वभाव बनता गया है।
- हमने जब तय किया था, 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य, तो यह सपना बड़ा लगता था। पुराना इतिहास बताता था संभव नहीं है, लेकिन समय से पहले 10 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग करके देश ने इस सपने को पूरा कर दिया है।
- ढाई करोड़ लोगों को इतने कम समय में बिजली कनेक्शन पहुंचाना, छोटा काम नहीं था, देश ने करके दिखाया।
- क्या हम अपने मानक नहीं बनाएंगे? क्या 130 करोड़ का देश अपने मानकों को पार करने के लिए पुरुषार्थ नहीं कर सकता है? हमें किसी भी हालत में औरों के जैसा दिखने की कोशिश करने की जरूरत नहीं है। हम जैसे हैं वैसे, लेकिन सामर्थ्य के साथ खड़े होंगे, ये हमारा मिजाज होना चाहिए।
- जिस प्रकार से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनी है, जिस मंथन के साथ बनी है, और भारत की धरती की जमीन से जुड़ी हुई शिक्षा नीति बनी है। हमने जो कौशलय पर बल दिया है, ये एक ऐसा सामर्थ्य है, जो हमें गुलामी से मुक्ति की ताकत देगा।

हर भाषा पर गर्व

- हमें हमारे देश की हर भाषा पर गर्व होना चाहिए। हमें भाषा आती हो या न आती हो, लेकिन मेरे देश की भाषा है, मेरे पूर्वजों ने दुनिया को दी हुई ये भाषा है, हमें गर्व होना चाहिए।
- आज दुनिया holistic health care की चर्चा कर रही है

लेकिन जब holistic health care की चर्चा करती है तो उसकी नजर भारत के योग पर जाती है, भारत के आयुर्वेद पर जाती है, भारत के holistic lifestyle पर जाती है। ये हमारी विरासत है जो हम दुनिया का दे रहे हैं।

- आज विश्व पर्यावरण की समस्या से जो जूझ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग की समस्याओं के समाधान का रास्ता हमारे पास है। इसके लिए हमारे पास वो विरासत है, जो हमारे पूर्वजों ने हमें दी है।
- हमारे पारिवारिक मूल्य, विश्व के सामाजिक तनाव की जब चर्चा हो रही है। व्यक्तिगत तनाव की चर्चा होती है, तो लोगों को योग दिखता है। सामूहिक तनाव की बात होती है तब भारत की पारिवारिक व्यवस्था दिखती है।

- हम वो लोग हैं, जो जीव में शिव देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नर में नारायण देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नारी को नारायणी कहते हैं, हम वो लोग हैं, जो पौधे में परमात्मा देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नदी को मां मानते हैं, हम वो लोग हैं, जो कंकड़-कंकड़ में शंकर देखते हैं।
- जन कल्याण से जग कल्याण की राह पर चलने वाले हम लोग जब दुनिया की कामना करते हैं, तब कहते हैं— सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।
- एक और महत्वपूर्ण विषय है एकता, एकजुटता। इतने बड़े देश को उसकी विविधता को हमें सेलिब्रेट करना है, इतने पंथ और परंपराएं यह हमारी आन-बान-शान है। कोई नीचा नहीं, कोई ऊंचा नहीं है, सब बराबर हैं। कोई मेरा नहीं, कोई पराया नहीं सब अपने हैं।

> हम वो लोग हैं, जो जीव में शिव देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नर में नारायण देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नारी को नारायणी कहते हैं, हम वो लोग हैं, जो पौधे में परमात्मा देखते हैं, हम वो लोग हैं, जो नदी को मां मानते हैं, हम वो लोग हैं, जो कंकड़-कंकड़ में शंकर देखते हैं

बेटा-बेटी एकसमान

- अगर बेटा-बेटी एकसमान नहीं होंगे तो एकता के मंत्र नहीं गुथ सकते हैं। जेंडर इक्वैलिटी हमारी एकता में पहली शर्त है।
- जब हम एकता की बात करते हैं, अगर हमारे यहां एक ही पैरामीटर हो एक ही मानदंड हो, जिस मानदंड को हम कहे इंडिया फर्स्ट मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, जो भी सोच रहा हूं, जो भी बोल रहा हूं इंडिया फर्स्ट के अनुकूल है।
- क्या हम स्वभाव से, संस्कार से, रोजमर्रा की जिंदगी में नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प ले सकते हैं। नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बहुत बड़ी पूंजी बनने वाला है। यह सामर्थ्य मैं देख रहा हूं और इसलिए मैं इस बात का आग्रही हूं।
- हमें कर्तव्य पर बल देना ही होगा। चाहे पुलिस हो, या पीपुल हो, शासक हो या प्रशासक हो, यह नागरिक कर्तव्य से कोई अछूता नहीं हो सकता। हर कोई अगर नागरिक के कर्तव्यों को निभाएगा तो मुझे विश्वास है कि हम इच्छित लक्ष्य को प्राप्त करने में समय से पहले सिद्धि प्राप्त कर सकते हैं।
- 'आत्मनिर्भर भारत', यह हर नागरिक का, हर सरकार का, समाज की हर इकाई का यह दायित्व बन जाता है। यह आत्मनिर्भर भारत यह सरकारी एजेंडा, सरकारी कार्यक्रम नहीं है। यह समाज का जन आंदोलन है, जिसे हमें आगे बढ़ाना है।
- आप देखिए पीएलआई स्कीम, एक लाख करोड़ रुपया, दुनिया के लोग हिन्दुस्तान में अपना नसीब आजमाने आ रहे हैं। टेक्नोलॉजी लेकर के आ रहे हैं। रोजगार के नये अवसर बना रहे हैं। भारत मैन्यूफैक्चिरिंग हब बनता जा रहा है।
- आजादी के 75 साल के बाद जिस आवाज़ को सुनने के लिए हमारे कान तरस रहे थे, 75 साल के बाद वो आवाज़ सुनाई दी है। 75 साल के बाद लाल किले पर से तिरंगे को सलामी देने का काम पहली बार Made In India तोप ने किया है। कौन हिन्दुस्तानी होगा, जिसको यह आवाज़ उसे नई प्रेरणा, ताकत नहीं देगी।
- देश के सेना के जवानों का हृदय से अभिनंदन करना चाहता हूं। मेरी आत्मनिर्भर की बात को संगठित स्वरूप में, साहस के स्वरूप में मेरी सेना के जवानों ने सेनानायकों ने जिस जिम्मेदारी के साथ कंधे पर उठाया है। मैं उनको जितना नमन करूं, उतनी कम है!
- हमें आत्मनिर्भर बनना है, एनर्जी सेक्टर में। सोलर क्षेत्र हो, विंड एनर्जी का क्षेत्र हो, रिन्यूएबल के और भी जो रास्ते हों, मिशन हाइड्रोजन हो, बायो फ्यूल की कोशिश हो, electric vehicle पर जाने की बात हो, हमें आत्मनिर्भर बनकर के इन व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाना होगा।

हमें विश्व में छा जाना है

- मैं प्राइवेट सेक्टर को भी आह्वान करता हूं आइए...हमें विश्व में

छा जाना है। 'आत्मनिर्भर भारत' का ये भी सपना है कि दुनिया को भी जो आवश्यकताए हैं उसको पूरा करने में भारत पीछे नहीं रहेगा। हमारे लघु उद्योग हो, सूक्ष्म उद्योग हो, कुटीर उद्योग हो, 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' हमें करके दुनिया में जाना होगा। हमें स्वदेशी पर गर्व करना होगा।

- हमारा प्रयास है कि देश के युवाओं को असीम अंतरिक्ष से लेकर समंदर की गहराई तक रिसर्च के लिए भरपूर मदद मिले। इसलिए हम स्पेस मिशन का, Deep Ocean Mission का विस्तार कर रहे हैं। स्पेस और समंदर की गहराई में ही हमारे भविष्य के लिए जरूरी समाधान है।
- हम बार-बार लाल बहादुर शास्त्री जी को याद करते हैं, 'जय जवान-जय किसान' का उनका मंत्र आज भी देश के लिए प्रेरणा है। बाद में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जब विज्ञान कह करके उसमें एक कड़ी जोड़ दी थी और देश ने उसको प्राथमिकता दी थी, लेकिन अब अमृतकाल के लिए एक और अनिवार्यता है और वो है जय अनुसंधान। जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान-जय अनुसंधान-इनोवेशन।
- इनोवेशन की ताकत देखिए, आज हमारा यूपीआई-भीम, हमारा डिजिटल पेमेंट, फिनटेक की दुनिया में हमारा स्थान, आज विश्व में रियल टाइम 40 पर्सेंट अगर डिजिटली फाइनेंशियल का ट्रांजेक्शन होता है तो मेरे देश में हो रहा है, हिन्दुस्तान ने ये करके दिखाया है।
- आज मुझे खुशी है हिन्दुस्तान के चार लाख कॉमन सर्विस सेंटर्स गांवों में विकसित हो रहे हैं। गांव के नौजवान बेटे-बेटियां कॉमन सर्विस सेंटर चला रहे हैं।

5G की ओर कदम

- ये जो डिजिटल इंडिया का मूवमेंट है, जो सेमीकंडक्टर की ओर हम कदम बढ़ा रहे हैं, 5G की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, ऑप्टिकल फाइबर का नेटवर्क बिछा रहे हैं, ये सिर्फ आधुनिकता की पहचान है, ऐसा नहीं है। तीन बड़ी ताकतें इसके अंदर समाहित हैं। शिक्षा में आमूल-चूल क्रांति— ये डिजिटल माध्यम से आने वाली है। स्वास्थ्य सेवाओं में आमूल-चूल क्रांति डिजिटल से आने वाली है। किसी जीवन में भी बहुत बड़ा बदलाव डिजिटल से आने वाला है।
- हमारा अटल इनोवेशन मिशन, हमारे incubation centre, हमारे स्टार्टअप एक नया, पूरे क्षेत्र का विकास कर रहे हैं, युवा पीढ़ी के लिए नए अवसर ले करके आ रहे हैं।
- हमारे छोटे किसान-उनका सामर्थ्य, हमारे छोटे उद्यमी-उनका सामर्थ्य, हमारे लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, सूक्ष्म उद्योग, रेहड़ी-पटरी वाले लोग, घरों में काम करने वाले लोग, ऑटो रिक्शा चलाने वाले लोग, बस सेवाएं देने वाले लोग, ये समाज का जो सबसे बड़ा तबका है, इसका सामर्थ्यवान होना भारत के सामर्थ्य की गारंटी है।
- **नारी शक्तिः** हम जीवन के हर क्षेत्र में देखें, खेल-कूद का मैदान देखें या युद्ध की भूमि देखें, भारत की नारी शक्ति एक नए सामर्थ्य, नए विश्वास के साथ आगे आ रही है। उनका भारत की 75 साल की यात्रा में जो योगदान रहा है, उसमें मैं अब कई गुना योगदान आने वाले 25 साल में नारीशक्ति का देख रहा हूं।
- भारत के संविधान के निर्माताओं का भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने जो हमें federal structure (संघीय व्यवस्था) दिया है। आज समय की मांग है कि हमें cooperative federalism के साथ-साथ cooperative competitive federalism की जरूरत है, हमें विकास की स्पर्धा की जरूरत है।

भाई-भतीजावाद के खिलाफ लड़ाई

- देश के सामने दो बड़ी चुनौतियांः पहली चुनौती— भ्रष्टाचार; दूसरी चुनौती— भाई-भतीजावाद, परिवारवाद।

भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है, उससे देश को लड़ना ही होगा। हमारी कोशिश है कि जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना भी पड़े, हम इसकी कोशिश कर रहे हैं

- भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है, उससे देश को लड़ना ही होगा। हमारी कोशिश है कि जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना भी पड़े, हम इसकी कोशिश कर रहे हैं।
- जब मैं भाई-भतीजावाद और परिवारवाद की बात करता हूं, तो लोगों को लगता है कि मैं सिर्फ राजनीति की बात कर रहा हूं। जी नहीं, दुर्भाग्य से राजनीतिक क्षेत्र की उस बुराई ने हिंदुस्तान के हर संस्थान में परिवारवाद को पोषित कर दिया है।
- मेरे देश के नौजवानों मैं आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए, आपके सपनों के लिए मैं भाई-भतीजावाद के खिलाफ लड़ाई में आपका साथ चाहता हूं।
- इस अमृतकाल में, हमें आने वाले 25 साल में, एक पल भी भूलना नहीं है। एक-एक दिन, समय का प्रत्येक क्षण, जीवन का प्रत्येक कण, मातृभूमि के लिए जीना और तभी आजादी के दीवानों को हमारी सच्ची श्रंद्धाजलि होगी।
- आजादी का अमृत महोत्सव, अब अमृतकाल की दिशा में पलट चुका है, आगे बढ़ चुका है, तब इस अमृतकाल में सबका प्रयास अनिवार्य है। टीम इंडिया की भावना ही देश को आगे बढ़ाने वाली है। 130 करोड़ देशवासियों की ये टीम इंडिया एक टीम के रूप में आगे बढ़कर के सारे सपनों को साकार करेगी। ■

‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ पर कार्यक्रम

प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ‘मौन जुलूस’ में लिया हिस्सा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने 14 अगस्त, 2022 को ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ के अवसर पर 1947 में भारत के विभाजन में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक ट्वीट में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाई। प्रधानमंत्री ने कहा, “आज, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर, मैं उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाई और साथ ही इतिहास के उस दुःखद दौर में सभी पीड़ित लोगों के धैर्य की सराहना करता हूं।’’

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ‘मौन जुलूस’ में शामिल हुए

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 1947 में भारत के विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में एक मौन जुलूस में भाग लिया। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर यह जुलूस दिल्ली के जंतर-मंतर से कनॉट प्लेस तक निकाला गया।

इस जुलूस में भाग लेने वाले लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए विभाजन की भयावहता को चिह्नित करने के लिए यह मौन जुलूस निकाला गया और विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही भाजपा नेताओं ने उन लोगों को भी याद किया, जो बंटवारे के दौरान अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए थे।

केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल और श्री अनुराग ठाकुर, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत पांडा, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम, डॉ. हर्षवर्धन, सांसद और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने मौन जुलूस में भाग लिया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भी देश के विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। श्री सिंह ने एक ट्वीट में कहा, ‘‘बंटवारे के दर्द को न भूलकर भी, एक नई शुरुआत करने वालों को सलाम। यह देश बंटवारे की भयावहता को कभी नहीं भूलेगा।’’

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने भी पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, “1947 में देश का विभाजन भारतीय इतिहास का वह अमानवीय अध्याय है जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है। विभाजन की हिंसा और नफरत ने लाखों लोगों की जान ले ली और असंख्य लोग विस्थापित हुए। आज, ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ पर, मैं उन लाखों लोगों को नमन करता हूं, जिन्हें विभाजन के दुष्परिणाम भुगतने पड़े।”

14 अगस्त, 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा कर आह्वान किया था कि विभाजन के दौरान भारतीयों के कष्टों और बलिदानों की राष्ट्र को याद दिलाने के लिए हर साल 14 अगस्त को ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ के रूप में याद किया जाएगा। ■

‘विभाजन की विभीषिका’ पर प्रदर्शनी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अगस्त को ‘विभाजन की विभीषिका’ पर एक फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस फोटो प्रदर्शनी का आयोजन नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में किया गया था। ■

20 करोड़ से अधिक परिवारों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

'हर घर तिरंगा' अभियान को देश में अभूतपूर्व समर्थन मिला

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक पूरे देश में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया गया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान को देश भर में अभूतपूर्व समर्थन मिला और 76वें स्वतंत्रता दिवस पर 20 करोड़ परिवारों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह देश के प्रति देशभक्ति और निष्ठा को प्रज्ज्वलित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक अभियान था।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपने सोशल मीडिया डीपी को बदलने का आग्रह किया था और श्री मोदी ने नागरिकों को 13-15 अगस्त के दौरान 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया था।

'आजादी का अमृत महोत्सव' मोदी सरकार द्वारा आरंभ की गयी एक शानदार पहल थी, जिसने करोड़ों लोगों को इसका हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने 02 अगस्त, 2022 को अपने सोशल मीडिया डीपी को तिरंगा के साथ अपडेट किया। इसके बाद करोड़ों लोगों ने अपनी डीपी (प्रदर्शन चित्र) बदलकर और अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गर्व से प्रधानमंत्री का अनुसरण किया।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हर घर तिरंगा अभियान की अद्भुत प्रतिक्रिया से बहुत खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं। हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की रिकॉर्ड भागीदारी देख रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव को चिह्नित करने का यह एक शानदार तरीका है।''

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री श्री अमित शाह और भाजपा के सभी नेताओं ने भी अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं। देश भर के पार्टी नेताओं ने 'प्रभात फेरी' और तिरंगा रैली सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

तिरंगे के रंग से सुशोभित हुए स्मारक

नागरिकों को इस पहल का हिस्सा बनने के लिए सांसदों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान देश के सभी कोनों में पहुंचा। 13-15 अगस्त के बीच 6 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी ली और इसे आधिकारिक

वेबसाइट पर अपलोड किया। इस अभियान के एक हिस्से के रूप में पूरे भारत में स्मारक तिरंगे के रंग में जगमगाते नजर आये।

विभिन्न उपलब्धियां हुईं हासिल

चंडीगढ़ के क्रिकेट स्टेडियम में 'लहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज की दुनिया की सबसे बड़ी मानव छवि' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया, जिसमें 5,885 लोगों ने हिस्सा लिया

इस अभियान के तहत चंडीगढ़ के क्रिकेट स्टेडियम में 'लहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज की दुनिया की सबसे बड़ी मानव छवि' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया, जिसमें 5,885 लोगों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन एनआईडी फाउंडेशन और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में किया गया था। इसके अलावा, श्रीनगर के जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए बख्शी स्टेडियम में 1850 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करके एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया।

भारत सरकार ने पूरे देश में झंडों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए थे। देश के डाकघरों में 1 अगस्त, 2022 से झंडे उपलब्ध करवाये गये थे। इसके अलावा, राज्य सरकारों ने झंडों की आपूर्ति और बिक्री के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ भी करार किया है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को जेम पोर्टल पर भी पंजीकृत किया गया।

28 राज्यों, आठ केंद्रशासित प्रदेशों और 150 से अधिक देशों में 60,000 से अधिक कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ, 'आजादी का अमृत महोत्सव' भागीदारी के मामले में अब तक के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक था। स्वतंत्रता के 75 वर्ष का स्मरणोत्सव 12 मार्च, 2021 को 75-सप्ताह की उलटी गिनती के साथ आरंभ हुआ था, जो 15 अगस्त, 2022 को अपने पड़ाव पर पहुंचा। इस अभियान के तहत आगे भी 15 अगस्त, 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेंगे। ■

‘तिरंगा यात्रा’, शहीद स्थल, मेरठ (उत्तर प्रदेश)

हमारा तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अगस्त, 2022 को ‘आजादी के अमृत महोत्सव’ पर ‘हर घर तिरंगा अभियान’ के तहत शहीद स्थल, मेरठ (उत्तर प्रदेश) में तिरंगा यात्रा को रवाना किया। वे स्वयं भी क्रांति भूमि मेरठ में आयोजित इस भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और यात्रा में शामिल युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों को देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर देने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, मेरठ के सांसद श्री राजेंद्र अग्रवाल, उत्तर सरकार में मंत्री श्री जेपीएस राठौर, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राजू बिष्ट, सांसद श्री लक्ष्मीकांत वाजपेयी, श्री विजय सिंह तोमर, श्रीमती कांता कर्दम सहित उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री, युवा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी और भारी संख्या में युवा एवं मेरठ की स्थानीय जनता उपस्थित थी। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे शहर का वातावरण देशभक्ति के गीतों और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान हो रहा था।

तिरंगा यात्रा को रवाना करने से पूर्व युवाओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 10 मई, 1857 को स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम की चिंगारी क्रांति भूमि मेरठ से ही प्रस्फुटित हुई थी। मैं इस भूमि पर आकर गौरवान्वित हूं। हम सब देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर जब देश आजादी के 75 साल, अमृतकाल मना रहा है, तब अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर तिरंगा फहरा कर देशप्रेम और जागृति के एक नए अध्याय को जोड़ रहे हैं। आज समग्र राष्ट्र देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है। हमारा तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है, राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, राष्ट्र निर्माण का प्रतीक है। हम सभी देशवासी अपने तिरंगे से राष्ट्र को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं और अपने कर्तव्य पथ पर प्रेरित होते हैं। तिरंगे का केसरिया, साहस और शक्ति का प्रतीक है। सफ़ेद रंग शांति का और हरा विकास एवं पोषण का प्रतीक है। अशोक स्तंभ का धर्म चक्र हमारे तिरंगे में समाहित है जिसका अर्थ है कि हमारा देश प्रजातंत्र की जननी है।

हमारा तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक है, राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, राष्ट्र निर्माण का प्रतीक है। हम सभी देशवासी अपने तिरंगे से राष्ट्र को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं और अपने कर्तव्य पथ पर प्रेरित होते हैं

श्री नड्डा ने कहा कि आज के दिन अखंड भारत के अग्रदूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीजी को नहीं भूल सकते। आजादी के बाद 500 से अधिक रियासतों का विलय भारत संघ में तो हो गया लेकिन जम्मू-कश्मीर में अलग झंडा, अलग निशान और अलग संविधान था। जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने और अखंड भारत का सपना लेकर डॉ. मुखर्जीजी ने आंदोलन किया और बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर पहुंचकर अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। तबसे यह हमारा लक्ष्य बन गया था कि एक देश में ‘दो विधान, दो प्रधान और दो निशान’ नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। हम इस लक्ष्य के साथ अपनी लड़ाई लड़ते रहे और जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने, तो 05 अगस्त, 2019 को वह ऐतिहासिक शुभ दिन आया, जब जम्मू-कश्मीर से धारा 370 धाराशायी हुआ और देश में ‘एक विधान, एक प्रधान और एक निशान’ का सपना साकार हुआ। आज जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर कामरूप तक हमारा तिरंगा पूरे शान के साथ लहरा रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थापना काल से ही राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए समर्पित रही। इसी भावना के साथ आज लाखों स्थान पर भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। मैं भी आज इस तिरंगा यात्रा में शामिल होकर अपने आप को धन्य मान रहा हूं। आइये, हम सब मिलकर इस यात्रा को सफल बनाएं, देश भर में प्रभात फेरियां निकालें, देशभक्ति के गीत गुनगुनाएं और राष्ट्र के लिए समर्पित होने का संकल्प लें। आज हम सभी देशवासी मिलकर अगले 25 वर्षों में भारतवर्ष को दुनिया के सर्वोत्तम राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करने का संकल्प लें। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का हिमाचल प्रदेश प्रवास

'हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश की जनता का विश्वास केवल और केवल भाजपा पर है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 अगस्त, 2022 को पांवटा साहिब के नगर परिषद् मैदान में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में आयोजित 'प्रगतिशील हिमाचलः स्थापना के 75 वर्ष' के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और 1948 से लेकर 2022 तक की हिमाचल प्रदेश की विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरुआत से पहले पवित्र पांवटा साहिब में गुरुग्रंथ साहिबजी को मत्था टेका, अरदास की और हिमाचल प्रदेश की जनता की मंगलकामना की। ज्ञात हो कि पवित्र पांवटा साहिब में दशम पिता गुरु गोबिंद सिंहजी ने महत्वपूर्ण साढ़े चार साल बिताये थे। साथ ही, उनके बड़े साहिबजादे का जन्म भी यहीं हुआ था। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए लड़ाई भी लड़ी थी। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, भाजपा विधायक और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि आजादी का अमृत काल चल रहा है। हमें 2047 में भारत को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करना है तो हम हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठ सकते। हमें अगले 25 वर्षों में विकसित हिमाचल और विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चलना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हर गांव तक पक्की सड़क पहुंची है और हर खेत तक पानी पहुंचाई जा रही है। गरीबों के लिए घर बनाए जा रहे हैं और घरों को बिजली, पानी, शौचालय, गैस कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड से जोड़ा जा रहा है। किसानों के लिए जितना कार्य प्रधानमंत्रीजी ने किया है, उतना आज तक किसी ने भी नहीं किया। 2014 की तुलना में हमारा कृषि बजट लगभग चार गुने से भी अधिक बढ़ा है। 2014 में देश का कृषि बजट जहां केवल 33 हजार करोड़ रुपये था, वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 1.33 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सिंचाई योजना पर लगभग 93,000 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में लाखों किसानों को क्लेम का भुगतान कर दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में पहले जहां हम पूरी तरह आयात पर निर्भर रहा करते थे, वहां आज हम एक्सपोर्ट हब के रूप में प्रतिष्ठित हो रहे हैं। हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट छह गुना बढ़ गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि पहले टिटनेस, पोलियो, जापानी बुखार और टीबी आदि की दवा को भारत आने में 25-30 साल लग गए। एक दवा तो 100 सालों में जाकर भारत आई, लेकिन जब कोरोना ने देश में दस्तक दी तो प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से केवल 9 महीने में ही स्वदेशी दो-दो टीके विकसित हुए। आज देश में वैक्सीनेशन 200 करोड़ डोज का वैक्सीनेशन पार कर गया है। हमारा वैक्सीनेशन प्रोग्राम दुनिया से सबसे लार्जेस्ट और फास्टेस्ट वैक्सीन्शन प्रोग्राम है। इतना ही नहीं, भारत ने दुनिया के 100 देशों को वैक्सीन दी और लगभग 20 देशों को लगभग 25 करोड़ वैक्सीन डोज तो मुफ्त में उपलब्ध कराई गई। मतलब यह कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत अब 'लेने वाला' देश के रूप में नहीं बल्कि 'देने वाला' देश के रूप में जाना जाने लगा है।

> **आजादी का अमृत काल चल रहा है। हमें 2047 में भारत को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करना है तो हम हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठ सकते। हमें अगले 25 वर्षों में विकसित हिमाचल और विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चलना है**

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में मुद्रा योजना में 35 करोड़ लोन वितरित किये गए। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता दी गई। 100 लाख करोड़ रुपये की गतिशक्ति योजना शुरू की गई है जो बदलते भारत का परिचायक है। 'आयुष्मान भारत' के तहत देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त हेल्थ कवर दिया गया। इतना ही नहीं, डबल इंजन सरकार में जयराम ठाकुरजी ने भी हिमाचल प्रदेश की जनता को हिमकेयर सुरक्षा कवच दिया जिससे हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को मुफ्त हेल्थ कवर मिला है।

कांग्रेस पर जोरदार प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पहले हिमाचल प्रदेश को स्पेशल स्टेटस का दर्जा मिला हुआ था। कांग्रेस की सरकार ने तो हिमाचल प्रदेश से विशेष राज्य का दर्जा तक हटा दिया था, जिसके कारण केंद्रीय योजनाओं में हिमाचल प्रदेश को 40 प्रतिशत हिस्सा देना पड़ जाता था। केंद्र में जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की

'प्रधानमंत्री के जीवन का हर पल देश सेवा को समर्पित है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 अगस्त को नई दिल्ली में मोदी@20 पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा में भाग लिया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व, जीवन-दर्शन, सांगठनिक कौशल और अद्वितीय नेतृत्व क्षमता पर विस्तार से चर्चा की। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'वन लाइफ— वन मिशन' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए सार्थक रूप में जीते हैं। उनके जीवन का हर क्षण, हर पल देश की सेवा और देश के विकास के लिए समर्पित रहता है। सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष और संवैधानिक पद पर पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में प्रशासनिक प्रमुख के रूप में 20 वर्ष— उनका पूरा जीवन निष्कलंक और राष्ट्र की सेवा के प्रति सदैव रहा है। यह एक अद्वितीय रिकॉर्ड है। हर दिन, हर क्षण, हर पल — हमारे प्रधानमंत्रीजी की लोकप्रियता बढ़ती ही गई है। प्रधानमंत्री जी का सपना है — ड्रीम मीट डिलीवरी।

प्रधानमंत्रीजी के कार्य करने के तरीके को पांच पिलर्स के आधार पर व्याख्यायित किया गया है, ये पांच पिलर्स हैं — पीपल फर्स्ट, पॉलिटिक्स ऑफ़ यूनिटी एंड डेवलपमेंट, इन्क्लूसिव इकॉनमी, पैराडाइम शिफ्ट इन गवर्नेंस और वसुधैव कुटुम्बकम्। मोदी @20 पुस्तक राजनैतिक जीवन के हर कार्यकर्ता के जीवन में बदलाव लाने वाला एवं उनके जीवन को एक नया आकार देने वाला महत्वपूर्ण उपकरण है। हम सभी को इसे अवश्य पढ़ना चाहिए और देश के विकास में अपनी भूमिका को निर्धारित करते हुए कटिबद्ध भाव से जुट जाना चाहिए। इस पुस्तक से प्रधानमंत्रीजी की पॉलिसी मेकिंग प्रोसेस के प्रति सोच भी पता चलती है। उन्होंने हमेशा देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, आदिवासी, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण की बात की है। ■

सरकार आई, तो प्रधानमंत्रीजी ने बिना किसी मांग के फिर से हिमाचल प्रदेश का स्पेशल स्टेटस बहाल कर दिया। आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार में हिमाचल प्रदेश को 10 वर्ष के लिए स्पेशल इंडस्ट्रियल पैकेज मिला था, लेकिन कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 7 साल में ही इस पैकेज को ख़त्म कर दिया। तब के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंहजी ने यह दलील दी थी कि हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर भी इस तरह की मांग करने लगेंगे। ये अलग बात है कि आज कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और पंजाब से भी गायब हो चुकी है।

हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 1.72 लाख इज्जत घर बने, लाखों एलईडी बल्ब का वितरण हुआ, लगभग सवा तीन लाख गरीब बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन मिला और ग्राम सड़क योजना के तहत 5,000 करोड़ रुपये की लागत से राज्य में लगभग 1025 किमी सड़कों का निर्माण हुआ। कोविड के दौरान लगभग 500 करोड़ रुपये का रिलीफ पैकेज दिया गया और लगभग हर हॉस्पिटल में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट्स लगाए गए। आज हिमाचल प्रदेश देश के पहले 'स्मोक-फ्री स्टेट' अर्थात् धुंआ रहित प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। औद्योगिक विकास के लिए लगभग 23,000 करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं और टूरिज्म में भी लगभग 15,000 करोड़ रुपये का एमओयू साइन हुआ है। बिलासपुर में 13,000 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हुआ है और नाहन में भी 300 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है। लगभग 32,000 करोड़ रुपये की लागत से 57 किमी से अधिक लंबी रोपवे के 7 प्रोजेक्ट्स पर हिमाचल प्रदेश में काम चल रहा है। शिरगुल महाराज महादेव मंदिर से चूरधार तक भी रोपवे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। हिमाचल प्रदेश में आईआईएम बन रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश की जनता का विश्वास केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी पर है।

पूर्व विद्यार्थी वृहद् समागम-2022

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा सहित अपने कई विभूतियों को 21 सितंबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने सम्मानित किया। 'पूर्व विद्यार्थी वृहद् समागम - 2022' कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रसिद्ध अभिनेता श्री अनुपम खेर, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के स्पीकर श्री विपिन सिंह परमार, एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, वाइस चांसलर श्री एसपी बंसल, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी एल्युमिनाई एसोसियेशन के चेयरमेन श्री पीके अहलूवालिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं विश्वविद्यालय के कई पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का विजन डॉक्यूमेंट 2030 भी लॉन्च किया गया और एल्युमिनाई भवन की आधारशिला भी रखी गई। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को जनसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए 'एलुमिनस आफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। ■

भाजपा संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति गठित

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 अगस्त, 2022 को पार्टी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड का गठन किया, जिनके सदस्य निम्न प्रकार रहेंगेः

श्री जगत प्रकाश नड्डा (अध्यक्ष)

श्री नरेन्द्र भाई मोदी

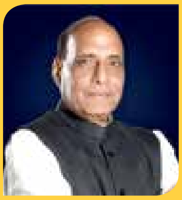
श्री राजनाथ सिंह

श्री अमित भाई शाह

श्री बी.एस. येदियुरप्पा

श्री सर्बानंद सोनोवाल

श्री के. लक्ष्मण

श्री इकबाल सिंह लालपुरा

श्रीमती सुधा यादव

श्री सत्यनारायण जटिया

श्री बी.एल. संतोष (सचिव)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 अगस्त, 2022 को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति का गठन किया, जिनके सदस्य निम्न प्रकार रहेंगेः

1. श्री जगत प्रकाश नड्डा (अध्यक्ष)
2. श्री नरेन्द्र भाई मोदी
3. श्री राजनाथ सिंह
4. श्री अमित भाई शाह
5. श्री बी.एस. येदियुरप्पा
6. श्री सर्बानंद सोनोवाल
7. श्री के. लक्ष्मण
8. श्री इकबाल सिंह लालपुरा
9. श्रीमती सुधा यादव
10. श्री सत्यनारायण जटिया
11. श्री भूपेन्द्र यादव
12. श्री देवेन्द्र फडणवीस
13. श्री ओम माथुर
14. श्री बी.एल. संतोष (सचिव)
15. श्रीमती वनथी श्रीनिवास (पदेन)

संगठनात्मक नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 अगस्त, 2022 को भाजपा नेता एवं विधान परिषद् सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह को भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा नेता श्री राजीब भट्टाचार्य को भारतीय जनता पार्टी, त्रिपुरा प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया।

श्री भूपेन्द्र सिंह

श्री राजीब भट्टाचार्य

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 12 अगस्त, 2022 को भाजपा नेता एवं विधान परिषद् सदस्य श्री चन्द्रशेखर बावनकुले को भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा नेता एवं विधायक श्री आशीष शेलार को भारतीय जनता पार्टी, मुंबई महानगर का अध्यक्ष नियुक्त किया। ■

श्री चन्द्रशेखर बावनकुले

श्री आशीष शेलार

10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिल रहा 'नल से जल'

'जल जीवन मिशन' के शुभारंभ के समय देश के 117 आकांक्षी जिलों में केवल 24.32 लाख (7.57%) घरों में नल का पानी था, जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0%) हो गया है

गत 19 अगस्त, 2022 को जल जीवन मिशन ने 10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर एक नई मिसाल कायम की। गौरतलब है कि 15 अगस्त, 2019 को जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की शुरुआत की, गांवों में केवल 3.23 करोड़ (16.90%) घरों में पाइप से पानी का कनेक्शन था।

अभी तक 3 राज्यों (गोवा, तेलंगाना और हरियाणा) और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (पुडुचेरी, दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) ने 100% कवरेज की सूचना दी है। पंजाब में 99.93%, गुजरात में 97.03%, बिहार में 95.51% और हिमाचल प्रदेश में 94.88% भी जल्द ही लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार हैं। 7 अगस्त, 2022 को गोवा तथा दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव देश में क्रमशः पहला 'हर घर जल' प्रमाणित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश बन गए, जहां सभी गांवों के लोगों ने पर्याप्त, सुरक्षित और नियमित उपलब्धता की पुष्टि की। ग्राम सभा के माध्यम से गांवों के सभी घरों में पानी की आपूर्ति की जा रही है।

मिशन का मकसद हरेक ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर निर्धारित गुणवत्ता की पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराना है। कोविड-19 महामारी जैसी विभिन्न बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हर ग्रामीण घर में नल का पानी सुनिश्चित करने के लिए मौसम की खराब स्थिति, दूर-दराज के दुर्गम इलाकों, पहाड़ियों, जंगल आदि जैसी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कई बार पाइप और अन्य उपकरण हेलीकॉप्टरों, नावों, ऊंटों, हाथियों और घोड़ों पर ले जाया जाता है।

केंद्र और राज्य सरकारों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप देश में 8.67 लाख (84.35%) स्कूलों और 8.96 लाख (80.34%) आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। हमारे देश के 117 आकांक्षी जिलों में, मिशन के शुभारंभ के समय, केवल 24.32 लाख (7.57%) घरों में नल का पानी था जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0%) हो गया है।

देश में कुल 5.08 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, पानी समितियों का गठन किया गया है। साथ ही, 4.78 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तैयार की गई हैं। मिशन अवधि के दौरान देश में कुल 2,070 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को विकसित, सुदृढ़ और सूचीबद्ध किया गया है। जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से अब तक 4.51 लाख गांवों में 64 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए जा चुके हैं। अब तक 10.8 लाख ग्रामीण महिलाओं को फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एफटीके का उपयोग करते हुए 1.7 लाख गांवों में प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा 58 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए गए हैं। ■

अप्रैल-जून के दौरान खनिज उत्पादन में 9 प्रतिशत की वृद्धि

केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा 20 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार जून, 2022 (आधारः 2011-12 = 100) के लिए खनन एवं उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक 113.4 पर रहा, जो जून, 2021 के महीने के स्तर की तुलना में 7.5 % अधिक था। अप्रैल-जून, 2022-23 की अवधि के लिए संचयी वृद्धि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.0 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई।

भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के अंतिम आंकड़ों के अनुसार जून, 2022 में महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन स्तर इस प्रकार थाः कोयला 669 लाख टन, लिग्नाइट 46 लाख टन, प्राकृतिक गैस (उपयोग की गई) 2747 मिलियन घन मीटर, पेट्रोलियम (कच्चा) 24 लाख टन, बॉक्साइट 1950 हजार टन, क्रोमाइट 343 हजार टन, सोना 85 किलो, लौह अयस्क 201 लाख टन, सीसा सांद्र 30 हजार टन, मैंगनीज अयस्क 238 हजार टन, जस्ता सांद्र 142 हजार टन, चूना पत्थर 335 लाख टन, फॉस्फोराइट 189 हजार टन, मैग्नेसाइट 8 हजार टन और डायमन 44 कैरेट।

जून, 2021 की तुलना में जून, 2022 के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्शाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में शामिल हैं: हीरा (340%), सोना (107.3%), फॉस्फोराइट (41.0%), कोयला (31.1%), लिग्नाइट (28.8%), जिंक सांद्र (20.0%), मैंगनीज अयस्क 19.3%), मैग्नेसाइट (16.6%), बॉक्साइट (8.9%), क्रोमाइट (6.5%), सीसा (4.2%), चूना पत्थर 1.6%) और प्राकृतिक गैस (यू) (1.3%)। ■

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना में 50,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत अब तक लगभग 3.67 लाख करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए गए हैं तथा उपर्युक्त कदम से आतिथ्य (हास्पिटैलिटी) और उससे संबंधित क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 17 अगस्त को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की सीमा में 50,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करके उसे 4.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच लाख करोड़ करने को मंजूरी दे दी। यह अतिरिक्त राशि विशेष रूप से आतिथ्य (हास्पिटैलिटी) और उससे संबंधित क्षेत्रों के उद्यमों के लिए निर्धारित की गई है। यह वृद्धि आतिथ्य और उससे संबंधित उद्यमों में कोविड-19 महामारी की वजह से आए गंभीर व्यवधानों को ध्यान में रखकर की गई है।

उल्लेखनीय है कि ईसीएलजीएस एक सतत योजना है। कुल 50,000 करोड़ रुपये की इस अतिरिक्त राशि को आतिथ्य और उससे संबंधित क्षेत्रों के उद्यमों पर खर्च किया जाएगा। इस खर्च को इस योजना की वैधता की अवधि 31 मार्च, 2023 के भीतर ही कार्यान्वित किया जाएगा।

पहले से ही जारी ईसीएलजीएस योजना के कोष में वृद्धि कर, आतिथ्य एवं उससे संबंधित क्षेत्रों में कोविड-19 महामारी के कारण आए व्यवधानों के कारण, केंद्र सरकार ने विशेष रूप से इन क्षेत्रों से जुड़े उद्यमों के लिए 50,000 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की है।

इस वृद्धि के जरिए कर्ज प्रदान करने वाली संस्थाओं को इन क्षेत्रों के उद्यमों को कम लागत पर 50,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करके इन व्यावसायिक उद्यमों को अपनी संचालन संबंधी देनदारियों को चुकाने और अपने व्यवसाय को जारी रखने में सक्षम बनाने के कदम से उन्हें राहत मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि ईसीएलजीएस के तहत 5 अगस्त, 2022 तक लगभग 3.67 लाख करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए जा चुके हैं। ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि ऋण पर 1.5 प्रतिशत सालाना ब्याज अनुदान को मंजूरी दी

इस योजना के तहत 2022-23 से 2024-25 तक की अवधि के लिए 34,856 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजटीय प्रावधान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 17 अगस्त को सभी वित्तीय संस्थानों के लिए लघु अवधि के कृषि ऋणों पर ब्याज अनुदान को बहाल कर 1.5 प्रतिशत करने की मंजूरी दे दी। इस प्रकार 1.5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान उधार देने वाले संस्थानों (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, निजी क्षेत्र के बैंक, लघु वित्त बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक और वाणिज्यिक बैंकों से सीधे तौर पर जुड़े कम्प्यूटरीकृत पीएसीएस) को किसानों को वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक 3 लाख रुपये तक के लघु अवधि के कृषि ऋण देने के लिए प्रदान किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत ब्याज अनुदान सहायता में बढ़ोतरी के लिए 2022-23 से 2024-25 की अवधि में 34,856 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजटीय प्रावधान की आवश्यकता होगी।

दरअसल, किसानों को सस्ती दर पर बिना किसी बाधा के ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। तद्नुसार, किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई थी, ताकि उन्हें किसी भी समय ऋण पर कृषि उत्पादों और सेवाओं को खरीदने के लिए सशक्त बनाया जा सके। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसान बैंक को न्यूनतम ब्याज दर का भुगतान कर सकते हैं, भारत सरकार ने ब्याज अनुदान योजना (आईएसएस) शुरू की, जिसका नाम बदलकर अब संशोधित ब्याज अनुदान योजना (एमआईएसएस) कर दिया गया है, ताकि कम ब्याज दरों पर किसानों को लघु अवधि के ऋण प्रदान किए जा सकें।

इस योजना के तहत कृषि और अन्य संबद्ध गतिविधियों—पशुपालन, डेयरी, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन आदि में लगे किसानों के लिए 7 प्रतिशत की सालाना दर से 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक कृषि ऋण उपलब्ध है। शीघ्र और समय पर ऋण की अदायगी के लिए किसानों को अतिरिक्त 3 प्रतिशत अनुदान (शीघ्र अदायगी प्रोत्साहन-पीआरआई) भी दिया जाता है। अतः यदि कोई किसान अपना ऋण समय पर चुकाता है, उसे 4 प्रतिशत सालाना की दर से ऋण मिलता है। ■

भारतीय सेना को मिले स्वदेश में विकसित अत्याधुनिक उपकरण एवं प्रणालियां

अत्याधुनिक उपकरणों में फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर, नई पीढ़ी की एंटी-पर्सनल माइन, टैंकों के लिए अपग्रेडेड साइट सिस्टम, उच्च गतिशीलता इन्फैंट्री प्रोटेक्टेड वेहिकल्स और असॉल्ट बोट्स शामिल

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में स्वदेश में विकसित उपकरण एवं सिस्टम भारतीय सेना को सौंपे। इनमें फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर एज ए सिस्टम (एफ-आईएनएसएएस), नई पीढ़ी की एंटी-पर्सनेल माइन 'निपुण', उन्नत क्षमताओं के साथ रुग्ड एवं स्वचालित संचार प्रणाली, टैंकों के लिए अपग्रेडेड साइट सिस्टम एवं उन्नत थर्मल इमेजर शामिल हैं। अत्याधुनिक उच्च गतिशीलता वाले इन्फैंट्री प्रोटेक्टेड व्हीकल और असॉल्ट बोट वर्चुअल माध्यम से रक्षा मंत्री द्वारा सौंपे गए, जिससे सीमा पर तैनात सैनिक किसी भी चुनौती का उचित तरीके से जवाब देने में सक्षम बन पाएं।

भारतीय सेना द्वारा संयुक्त रूप से रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और उद्योग जगत के सहयोग से सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत इन उपकरण/प्रणालियों को विकसित किया गया है।

श्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपकरण एवं प्रणालियां भारतीय सेना की अभियानगत तैयारियों को बढ़ाएंगी और उनकी दक्षता में वृद्धि करेंगी। उन्होंने कहा कि यह निजी क्षेत्र और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी में देश के बढ़ते 'आत्मनिर्भरता कौशल' का एक शानदार उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों की ढांचागत जरूरतें बदलते समय के साथ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने सशस्त्र बलों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहने में मदद करने के लिए नवीनतम तकनीक पर आधारित ढांचागत विकास का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों से उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। ■

क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत 425 नए रूट शुरू किए गए

2014 में चालू हवाई अड्डों की संख्या 74 थी। उड़ान योजना के कारण यह संख्या अब तक बढ़कर 141 हो गई है

केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) ने अपनी सफलता के 5 वर्ष पूरे कर लिये हैं। 27 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी पहली उड़ान शुरू की थी। योजना की शुरुआत टियर II और टियर III शहरों में उन्नत विमानन संरचना और एयर कनेक्टिविटी के साथ 'उड़े देश का आम नागरिक' की परिकल्पना के बाद आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 2016 को हुई थी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 17 अगस्त को जारी एक बयान के अनुसार पिछले पांच वर्षों में उड़ान ने देश में क्षेत्रीय हवाई-संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 2014 में चालू हवाई अड्डों की संख्या 74 थी। उड़ान योजना के कारण यह संख्या अब तक बढ़कर 141 हो गई है।

उड़ान योजना के अंतर्गत 58 हवाई अड्डे, 8 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एरोड्रोम सहित 68 अपर्याप्त सुविधाओं वाले गंतव्यों को जोड़ा गया है। योजना के तहत शुरू किए गए 425 नए मार्गों के साथ उड़ान ने देश भर में 29 से अधिक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को हवाई संपर्क प्रदान किया है। 4 अगस्त, 2022 तक एक करोड़ से अधिक यात्रियों ने इस योजना का लाभ उठाया है। इस योजना ने क्षेत्रीय कैरियरों को अपना परिचालन बढ़ाने के लिए बेहद आवश्यक मंच प्रदान किया है।

उड़ान के तहत 220 गंतव्यों (हवाई अड्डे/हेलीपोर्ट/वाटर एरोड्रोम) को 2026 तक 1000 मार्गों के साथ पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि देश के बिना संपर्क वाले गंतव्यों को हवाई संपर्क प्रदान किया जा सके। उड़ान के अंतर्गत 156 हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए 954 मार्ग पहले ही दिए जा चुके हैं। ■

बीते 8 साल में 200 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज देश में बनाए गए: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अगस्त को साहिबजादा अजीत सिंह नगर, मोहाली में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित, मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान, केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम देश

की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लोगों को सेवा प्रदान करेगा।

भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के बारे में लाल किले की प्राचीर से की गई अपनी उद्घोषणा के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत को विकसित बनाने के लिए उसकी स्वास्थ्य सेवाओं का भी विकसित होना उतना ही जरूरी है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत के लोगों को इलाज के लिए आधुनिक अस्पताल मिलेंगे, आधुनिक सुविधाएं मिलेंगीं, तो वो और जल्दी स्वस्थ होंगे, उनकी ऊर्जा सही दिशा में लगेगी। श्री मोदी ने कैंसर के इलाज के लिए सुविधाएं सृजित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि टाटा मेमोरियल सेंटर अब हर साल 1.5 लाख नए मरीजों के इलाज के लिए सुसज्जित है। श्री मोदी ने कहा कि बिलासपुर में नए अस्पताल और एम्स से पीजीआई चंडीगढ़ पर बोझ कम होगा और मरीजों और उनके परिवारों को काफी राहत मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज एक नहीं, दो नहीं, छह मोर्चों पर एक साथ काम करके देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारा जा रहा है। सभी छह मोर्चों पर विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहला मोर्चा है— प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को बढ़ावा देने का। दूसरा मोर्चा है— गांव-गांव में छोटे और आधुनिक अस्पताल खोलने का, तीसरा मोर्चा है— शहरों में मेडिकल कॉलेज और मेडिकल रिसर्च वाले बड़े संस्थान खोलने का। चौथा मोर्चा है— देशभर में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ाने का। पांचवा मोर्चा है— मरीजों को सस्ती दवाइयां, सस्ते उपकरण उपलब्ध कराने का और छठा मोर्चा है— टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मरीजों को होने वाली मुश्किलें कम करने का।

प्रिवेंटिव अप्रोच के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 1.5 लाख से अधिक हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। जिनमें से 1.25 लाख की स्थापना हो चुकी है। पंजाब में करीब 3000 केंद्र काम कर रहे हैं। पूरे देश में 22 करोड़ से ज्यादा लोगों की कैंसर की जांच की जा चुकी है, जिसमें से 60 लाख स्क्रीनिंग पंजाब में हुई।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्र सरकार देश के हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज के लक्ष्य पर काम कर रही है। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत आयुष्मान भारत योजना 64 हजार करोड़ रुपये की लागत से जिला स्तर पर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण कर रही है। प्रधानमंत्री ने दोहराते हुए कहा कि एक समय में देश में केवल 7 एम्स थे, लेकिन अब यह संख्या 21 हो गई है। सरकार ने देश भर में लगभग 40 विशिष्ट कैंसर संस्थानों को मंजूरी दी है, जिनमें से कई अस्पतालों ने पहले ही सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है।

केंद्र सरकार देश के हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज के लक्ष्य पर काम कर रही है

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अस्पताल बनाना जितना ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी पर्याप्त संख्या में अच्छे डॉक्टरों का होना, दूसरे पैरामेडिक्स का उपलब्ध होना भी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भी आज देश में मिशन मोड पर काम किया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा, "2014 से पहले देश में 400 से भी कम मेडिकल कॉलेज थे। यानी 70 साल में 400 से भी कम मेडिकल कॉलेज। वहीं बीते 8 साल में 200 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज देश में बनाए गए हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने 5 लाख से अधिक आयुष डॉक्टरों को एलोपैथिक डॉक्टरों के समान में मान्यता दी है और इससे भारत में डॉक्टर और रोगी के अनुपात में सुधार लाने में मदद मिली है। आयुष्मान भारत ने गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया है और इसके परिणामस्वरूप अब तक 3.5 करोड़ मरीजों का इलाज हो चुका है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि इन 3.5 करोड़ रोगियों में से कई कैंसर रोगी थे। आयुष्मान भारत योजना से मरीजों के करीब 40 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि कैंसर के इलाज के लिए 500 से अधिक दवाओं की कीमत में 90 प्रतिशत तक की कमी देखी गई, जिससे एक हजार करोड़ रुपये तक की बचत हुई। ■

जीवन का सुख

पं. दीनदयाल उपाध्याय

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सुख की भावना लेकर चलता है। मानव ही नहीं, तो प्राणिमात्र सुख के लिए लालयित है। दुःख को टालना और सुख को प्राप्त करना, यह एक उसकी स्वाभाविक कामना रही है। मनुष्य भी प्राणी है। इसलिए वह सुख चाहता है। तो हमें विचार करना पड़ेगा कि सुख है कहां? किस चीज़ में?

साधारणतः लोग सोचते हैं कि अच्छा भोजन मिला तो सुख प्राप्त होगा। पर यह अच्छा भोजन कैसे मिले, यह किन पर निर्भर है, इसका विचार करें तो पता चलेगा कि इस विषय में हम स्वाधीन नहीं। भोजन संबंधी सुख दूसरों पर निर्भर है। रोटी हमने स्वयं नहीं बनाई, बनानेवाला दूसरा व्यक्ति है। उसने खीर, हलवा अच्छा बनाया तो ठीक, अगर रसोइयों ने ठीक न बनाया तो शक्कर, घी और आटा सब बेकार। इस प्रकार भौतिक सुख के लिए हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं, स्वयं पर नहीं। दूसरे लोग बनाते हैं, तब हमें मिलती है। कपड़ा बनानेवाला, सिलनेवाला दूसरा आदमी यानी टेलर मास्टर होता है। उसने कपड़ा ठीक बनाया तो आराम और आनंद प्राप्त होता है। नहीं बनाया तो कठिनाई का अनुभव करना पड़ता है। एक दरज़ी ने मेरे बनियान का अंदर का हिस्सा दाहिने तरफ़ और बाहर का बाएं तरफ़ लगाया। मैं दरज़ी को मन-ही-मन ग़ाली देता रहा — छोटा सा सुख दरज़ी की ग़लती के कारण समाप्त हो गया। इस प्रकार कपड़े का सुख दरज़ी पर अवलंबित रहता है। वह कपड़ा कसा हुआ बना दे तो तक़लीफ़ होती है। इसी प्रकार बहुत अन्य चीजें हैं। जैसे हम बाल बनवाते हैं। एक नाई ने मेरे अजीब तरह से बाल बनाए। उसने ग़लती की, परंतु मुझे भुगतनी पड़ी। तो इस प्रकार हमारे लिए अनेक लोग काम करते रहते हैं। हम रेल में जाते हैं। गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, गार्ड, सिग्नलवाला, स्टेशन मास्टर अनेक लोग होते हैं। यात्रा सुखद और सुरक्षित हो, इसके लिए हम जानें या न जानें, अनेक के प्रयत्न के ऊपर हमारा सुख निर्भर है।

अपनी बुद्धि के बारे में हम गर्व करते हैं। परंतु यह बुद्धि कहां से मिली? वह स्वयं की कमाई हुई नहीं है। दूसरों ने ही दी है। हमारे अध्यापक, गुरुजन हमें सोचना सिखाते है। हम एक सौ पांच जल्दी लिख लेते हैं। परंतु बीच में के शून्य का आविष्कार करने के लिए कितने वर्ष लगे होंगे। आज तो वह ज्ञान हमें सहज मिल जाता है। भाषा में हम कविता करते हैं। गाली देते हैं, अपना क्रोध, आनंद प्रकट करते हैं। यह भी हमें समाज के द्वारा मिली है। बहुत सी लड़ाइयां भाषा के कारण बच जाती हैं। भाषा न हो तो? हमें गुस्सा आया तो, हम किसी को 'बेवकूफ़'कह देते हैं। यदि 'बेवकूफ' शब्द न होता तो? गाय को भाषा नहीं आती। इसलिए उसे यदि गुस्सा आ जाए तो वह सींग मारती है। भाषा ने मनुष्य की मार-पीट, मुसीबत बचाई। क्रोध प्रकट करने के लिए हम शब्दों का उपयोग करते हैं। शब्दों को विशेष अर्थ दूसरे ने दिया, हमने नहीं। कुरसी को हम कुरसी क्यों कहते हैं? टेबल क्यों नहीं कहते? समाज के चार लोगों ने जो एज्यूम किया, आरबिट्रेशन किया, उस निर्णय को हम मानते हैं। जितनी चीजें जगत् में हैं, उनके नाम अर्थ हमें समाज से मिले हैं। हम भाषा में केवल बोलते ही नहीं, सोचते भी हैं। लोग समझते हैं कि सोच प्रकट करने का माध्यम भाषा है। परंतु सोचने का साधन भी भाषा ही है। हम 'आत्मा'शब्द और उसका अर्थ जानते हैं, इससे आत्मा के बारे में हम बहुत सी बातें सोच लेते हैं — 'आत्मीयता', 'अध्यात्म' इत्यादि, परंतु अंग्रेजी में योग्य शब्द नहीं हैं, इससे उनको असुविधा होती है। अंग्रेजी में सोशल कहते हैं, इसका अर्थ जीव है। इसी प्रकार मन यानी माइंड (mind) नहीं। शब्द सोचने की प्रक्रिया प्रकट करते है। शब्दों में हम शिष्टाचार भी व्यक्त करते हैं 'नमस्कार', 'पहले आप', 'कुशल हैं न' इत्यादि। इस प्रकार शब्दों से व्यवहार बनता है। यह भाषा कौन देता है? अपने आप भाषा न आएगी।

जितनी चीजें जगत् में हैं, उनके नाम अर्थ हमें समाज से मिले हैं। हम भाषा में केवल बोलते ही नहीं, सोचते भी हैं। लोग समझते हैं कि सोच प्रकट करने का माध्यम भाषा है। परंतु सोचने का साधन भी भाषा ही है

लखनऊ के अस्पताल में एक लड़का था। उसका नाम 'राम' रखा था। जब वह बच्चा था, तो भेड़िये उसे ले गए। उन्होंने उसका पालन-पोषण किया। जंगल काटते समय वह लड़का मिला। वह आदमी जैसा प्राणी हाथ-पैर चलाता था, बोलता नहीं था, वह गुर्राता था। मुंह से लप-लप करके खाता था। अस्पताल में वह सात-आठ

वर्ष रहा। बाद में मर गया। तो इस प्रकार अनेक बातें हम समाज से सीखते हैं। हम पालथी मारकर बैठते हैं, विदेशी आदमी इस तरह नहीं बैठ सकते। मैं अफ्रीका में गया था। एक स्त्री पैर फैलाकर बैठी थी। मैंने पूछा, 'यह ऐसे क्यों बैठी है? 'तो उत्तर मिला कि वहां की स्त्रियां दूसरी तरह से बैठ ही नहीं सकतीं। वैसे ही घोड़े को बैठने में कठिनाई होती है। वह गाय की तरह नहीं बैठ सकता।

मनुष्य अकेला आनंद प्राप्त नहीं कर सकता वह अकेला हंस नहीं पाता। हमने कुछ अच्छा काम किया तो हम दूसरों को दिखाते हैं। एक कहावत है, 'जंगल में मोर नाचा, किसने देखा।' दूसरों के साथ ही हम आनंद का अनुभव कर सकते हैं। कुछ आनंद का विषय हो तो हम चार लोगों को बुलाते हैं। वैसा ही देखा जाए तो विवाह का संबंध केवल वधू-वर से नहीं होता, बल्कि विवाह में बाराती चाहिए, सब लोगों को आनंद मनाना चाहिए। तब ही हम संस्कार मानते हैं। तो व्यक्ति का आनंद चार लोगों के साथ होता है।

एक स्त्री थी। उसके पति ने उसे हीरे की एक नई अंगूठी लाकर दी। वह अंगुली में पहनकर गांव में घूमकर आई, परंतु किसी ने उसकी अंगूठी के बारे में नहीं पूछा। किसी के ध्यान में नहीं आया होगा। तो उसने सोचा कि मैं अपनी अंगूठी के बारे में कैसे बताऊं। उसने अपने घर में आग लगा ली। जब लोग आए तो वह अंगूठी वाले हाथ से निर्देश देकर बताने लगी कि यहां पानी डालो, वहां पानी डालो। तब एक ने पूछा कि यह हीरे की अंगूठी कहां से आई? वह बोली 'अगर यह पहले ही पूछ लिया होता तो इस घर को आग तो न लगती।'

जब आदमी अच्छा गीत गाता है, तब किसी ने दाद न दी तो उसको लगता है कि अपना जन्म बेकार है। एक कवि के कारण मैं परेशान हुआ। रेल में एक शायर मिले। उन्होंने एक शेर सुनाया, मैंने 'अच्छा'कहा तो स्टेशन आने तक उसने मुझे एक और शेर सुनाकर तंग किया। एक संस्कृत कवि ने लिखा है —

'अरसिकेषु कवित्व निवेदनम्।
शिरसि मा लिख, मा लिख, मा लिख।'

इस प्रकार देखेंगे तो हमें मालूम होगा कि वास्तव में हमारा भौतिक बौद्धिक, मानसिक और आत्मिक सुख दूसरों पर निर्भर है। अकेलापन मन को कमजोर करता है। बच्चा अकेला हो तो उसे डर लगता है। दो मिलें तो निर्भयता आ जाती है एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं। जब लड़ाई का जमाना था, तब रेल में बहुत भीड़ रहती थी। टिकट भी बंद कर देते थे। मैं प्रवास कर रहा था, तब मैंने देखा कि एक किसान संडास के पास नीचे बैठा है। मैंने उसके अंदर जाकर बैठने को कहा, तब वह बोला, 'मेरे पास टिकट नहीं है।' फिर दूसरा भी बोला कि मेरे पास टिकट नहीं है, फिर तीसरा बोला और इस तरह सात-आठ आदमियों के पास टिकट नहीं था। तब वह डर छोड़कर अंदर जा बैठा। दुःख में अनेक साथी हों, तो दुःख कम हो जाता है। दूसरों के सुख से दुःख, दुःख से सुख जिसको होता है, ऐसा आदमी क्वचित मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के भारतीय दल का किया अभिवादन

'एथलीट देश के युवाओं को न केवल खेल में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अगस्त को नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल 2022 के भारतीय दल का अभिवादन किया। इस कार्यक्रम में एथलीटों और उनके प्रशिक्षकों दोनों ने भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और युवा कार्य और खेल राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक भी उपस्थित रहे।

श्री मोदी ने बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई दी, जहां भारत ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि हमारे खिलाड़ियों की शानदार मेहनत के कारण देश एक प्रेरक उपलब्धि के साथ आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि एथलीटों ने न केवल देश को पदक भेंटकर उत्सव मनाने और गर्व करने का अवसर दिया है, बल्कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि एथलीट न केवल खेल बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी देश के युवाओं को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

गौरतलब है कि रास्ट्रमंडल खेल 2022 बर्मिंघम में 28 जुलाई से 08 अगस्त, 2022 तक आयोजित किये गये। इसमें भारत की तरफ से कुल 215 एथलीटों ने 19 खेल प्रतिस्पर्धाओं के 141 आयोजनों में भाग लिया। ■

रॉबिन्सन क्रूसो की एक कहानी बताते हैं कि उसे एक अजीब जंगली मानव मिल गया, तो उसे देखकर वह बहुत आनंदित हुआ और उसने उसका नाम फ्राइडे रखा। जो लोग कहते हैं कि एकांत में सुख है, वह ग़लत है। आदमी तो आदमी को देखना चाहता है। ■

क्रमशः

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : मैसूर, मई 19, 1967

बिहार के पूर्व सहकारिता मंत्री सुभाष सिंह नहीं रहे

बिहार के पूर्व मंत्री, विधायक और भाजपा नेता श्री सुभाष सिंह का 16 अगस्त को दिल्ली में निधन हो गया। श्री सिंह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। वह बिहार की राजग सरकार में सहकारिता मंत्री रहे।

भाजपा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय जायसवाल ने ट्वीट कर लिखा, "गोपालगंज सदर से भाजपा विधायक एवं बिहार सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री श्री सुभाष सिंह का आकस्मिक निधन अत्यंत दुःखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह पवित्र आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिवार के सदस्यों को इस अपार क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति!"

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा, "राज्य के पूर्व मंत्री, गोपालगंज से चार बार विधायक रहे श्री सुभाष सिंह का दिल्ली के एम्स में निधन अत्यंत दुःखद है। श्री सुभाष सिंह एक बहुत ही मेहनती, ईमानदार और कर्तव्यपरायण कार्यकर्ता थे। वह पिछले 18 महीने से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे, लेकिन अंत में वह जीवन की इस दौड़ में हार गये। उनके निधन से भाजपा को गहरा सदमा पहुंचा है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।"

पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी ने भी श्री सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री तारकिशोर प्रसाद ने उनके निधन को बिहार की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

15 जनवरी, 1963 को जन्मे श्री सिंह गोपालगंज (सदर) से चार बार विधायक चुने गए। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार को हराया और बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। इससे पहले वह 2015 में 6500 के अंतर से रेयाजुल हक को हराकर विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2005 और 2010 में श्री सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार को हराकर विधानसभा सीट जीती थी। ■

देश में रिकॉर्ड 315.72 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने वर्ष 2021-22 के सम्बंध में प्रमुख फसलों के चौथे अग्रिम अनुमान जारी कर दिये। देश में रिकॉर्ड 315.72 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो 2020-21 के दौरान पैदा होने वाले खाद्यान्न की तुलना में 4.98 मिलियन टन अधिक है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 17 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार चावल, मक्का, चना, दलहन, सफेद सरसों (रेपसीड) व काली सरसों, तिलहन और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन होने का अनुमान लगाया गया है।

चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान प्रमुख फसलों का अनुमानित उत्पादन इस प्रकार हैः खाद्यान्न 315.72 मिलियन टन, चावल 130.29 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), गेहूं 106.84 मिलियन टन, पौष्टिक अनाज/मोटे अनाज 50.90 मिलियन टन, मक्का 33.62 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), दलहन 27.69 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), अरहर 4.34 मिलियन टन, चना 13.75 मिलियन टन (रिकॉर्ड), तिलहन 37.70 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), मूंगफली 10.11 मिलियन टन, सोयाबीन 12.99 मिलियन टन, सफेद और काली सरसों 11.75 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), गन्ना 431.81 मिलियन टन (रिकॉर्ड उत्पादन), कपास 31.20 मिलियन टन गांठें (प्रत्येक गांठ का वजन 170 किलोग्राम), जूट और मेस्ता 10.32 मिलियन टन गांठें (प्रत्येक गांठ का वजन 180 किलोग्राम)।

वर्ष 2021-22 के दौरान चावल के कुल उत्पादन का अनुमान रिकॉर्ड 130.29 मिलियन टन लगाया गया है। यह पिछले पांच वर्षों के दौरान होने वाले औसत उत्पादन 116.44 मिलियन टन से 13.85 मिलियन टन अधिक है।

वर्ष 2021-22 के दौरान दलहन का रिकॉर्ड उत्पादन 27.69 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है। यह पिछले पांच वर्षों के दौरान होने वाले औसत उत्पादन 23.82 मिलियन टन से 3.87 मिलियन टन अधिक है।

वर्ष 2021-22 के दौरान तिलहन का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 37.70 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है। यह पिछले पांच वर्षों के दौरान होने वाले औसत उत्पादन 35.95 मिलियन टन से 1.75 मिलियन टन अधिक है। इसके अलावा, वर्ष 2021-22 के दौरान तिलहन का उत्पादन औसत उत्पादन से 5.01 मिलियन टन अधिक है। ■

'आज गोवा देश का पहला राज्य बना है, जिसे हर घर जल सर्टिफाई किया गया'

सिर्फ 3 साल के भीतर जल जीवन मिशन के तहत 7 करोड़ ग्रामीण परिवारों को पाइप के पानी की सुविधा से जोड़ा गया है, जबकि आजादी के 7 दशकों में देश के सिर्फ 3 करोड़ ग्रामीण परिवारों के पास ही पाइप से पानी की सुविधा उपलब्ध थी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अगस्त को जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल उत्सव को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम पणजी, गोवा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर बधाई दी।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि अमृत काल में भारत जिन विशाल लक्ष्यों पर काम कर रहा है उससे जुड़े तीन अहम पड़ाव हमने पार किए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, आज देश के 10 करोड़ ग्रामीण परिवार पाइप से स्वच्छ पानी की सुविधा से जुड़ चुके हैं। ये घर जल पहुंचाने की सरकार के अभियान की एक बड़ी सफलता है। ये सबका प्रयास का एक बेहतरीन उदाहरण है। दूसरा, देश ने और विशेषकर गोवा ने आज एक उपलब्धि हासिल की है। आज गोवा देश का पहला राज्य बना है, जिसे हर घर जल सर्टिफाई किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि दादरा नगर हवेली एवं दमन और दीव भी हर घर जल सर्टिफाइड केंद्रशासित राज्य बन गए हैं। श्री मोदी ने लोगों, सरकार और स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द कई राज्य इस सूची में शामिल होने जा रहे हैं।

भारत में अब रामसर साइट्स यानी वेटलैंड की संख्या भी बढ़कर 75 हो गई है। इनमें से भी 50 साइट्स पिछले 8 वर्षों में ही जोड़ी गई हैं। यानी वाटर सिक्योरिटी के लिए भारत चौतरफा प्रयास कर रहा है और इसके हर दिशा में नतीजे भी मिल रहे हैं

श्री मोदी ने कहा कि देश की तीसरी उपलब्धि स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ी है। कुछ साल पहले सभी देशवासियों के प्रयासों से देश खुले में शौच से मुक्त घोषित हुआ था। इसके बाद हमने संकल्प लिया था कि गांवों को ओडीएफ प्लस बनाएंगे। इसको लेकर भी देश ने अहम माइलस्टोन हासिल किया है। अब देश के अलग-अलग राज्यों के एक लाख से ज्यादा गांव ओडीएफ प्लस हो चुके हैं, यानी उनके पास सामुदायिक शौचालय, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, ग्रे वाटर प्रबंधन और गोवर्धन परियोजनाएं होनी चाहिए।

जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन', अटल भूजल योजना, हर जिले में 75 अमृत सरोवर, नदियों को आपस में जोड़ने और जल जीवन मिशन जैसी पहलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत में अब रामसर साइट्स यानी वेटलैंड की संख्या भी बढ़कर 75 हो गई है। इनमें से भी 50 साइट्स पिछले 8 वर्षों में ही जोड़ी गई हैं। यानी वाटर सिक्योरिटी के लिए भारत चौतरफा प्रयास कर रहा है और इसके हर दिशा में नतीजे भी मिल रहे हैं।

श्री मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि सिर्फ 3 साल के भीतर जल जीवन मिशन के तहत 7 करोड़ ग्रामीण परिवारों को पाइप के पानी की सुविधा से जोड़ा गया है। ये कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है, जबकि आजादी के 7 दशकों में देश के सिर्फ 3 करोड़ ग्रामीण परिवारों के पास ही पाइप से पानी की सुविधा उपलब्ध थी।

उन्होंने कहा कि देश में करीब 16 करोड़ ग्रामीण परिवार थे, जिन्हें पानी के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। हम गांव की इतनी बड़ी आबादी को इस बुनियादी जरूरत के लिए लड़ते हुए नहीं छोड़ सकते थे। इसलिए 3 साल पहले मैंने लाल किले से घोषणा की थी कि हर घर में पाइप से पानी मिलेगा। इस अभियान पर 3 लाख 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि 100 साल की सबसे बड़ी महामारी के कारण आई रुकावटों के बावजूद इस अभियान की गति धीमी नहीं हुई। इस निरंतर प्रयास का ही परिणाम है कि मात्र 3 वर्षों में देश ने 7 दशकों में किए गए कार्य से दोगुने से भी अधिक कार्य किया है। ■

दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा ने किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर भाजपा ने 25 अगस्त को नई आबकारी नीति में किये गए भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने केजरीवाल और उनकी पार्टी पर आबकारी नीति में हुए भ्रष्टाचार के सवालों से बचने का आरोप लगाया और कहा कि अगर केजरीवाल मानते हैं कि उनकी पार्टी ईमानदार है तो आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के आरोपी मनीष सिसोदिया को तुरंत पार्टी से बर्खास्त करें।

आर. के. आश्रम में विरोध प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के पास कोई जवाब नहीं है क्योंकि उसे भी पता है कि दिल्लीवासियों से बड़े-बड़े वायदे करके उन्होंने जो धोखा देने का काम किया है, उसकी पोल खुल चुकी है। अब न बताने के लिए उनके पास कुछ है और न कहने के लिए। इसलिए अब वे इधर-उधर की बातें कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तो सिर्फ सवाल कर रही है कि अगर आबकारी नीति इतनी अच्छी थी तो उसे वापस क्यों ले लिया? मैन्युफैक्चरर को रिटेलिंग की अनुमति क्यों दी? शराब माफियाओं के 144 और फिर 30 करोड़ रुपये माफ क्यों किये?

> आप सरकार को बताना पड़ेगा कि आखिर मास्टर प्लान और नियमों को ताक पर रखकर शराब के ठेके क्यों खोले गए? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले अब खुद ही भ्रष्टाचार में फंसे हुए हैं

श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल को आखिर किसने दिल्ली का खजाना लूटने की अनुमति दी। शराब माफियाओं को कमीशन 2.5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर कोरोड़ों रुपये का घोटाला शराब माफ़ियाओं के साथ मिलकर जो किया है उसका हिसाब उन्हें देना पड़ेगा। उन्होंने मनीष सिसोदिया का पुतला फूंककर विरोध जताया और कहा आखिर कौन सी मजबूरी थी केजरीवाल के पास जो ब्लैक लिस्टेड कम्पनियों को भी लाइसेंस देने की जरूरत पड़ गई। आज भाजपा जब ये सवाल पूछ रही है तो सवाल देने की जगह वे अनाप-शनाप की बातें कर रहे हैं। वह उनकी बौखलाहट को बहुत स्पष्ट करता है।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा ने यूसुफ सराय मार्किट में प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से केजरीवाल सरकार ने आबकारी नीति लागू करने से पहले खुद कहा था कि इसके लागू होने से दिल्ली के राजस्व में करोड़ों रुपये का फायदा होगा लेकिन हकीकत यह है कि वह फायदा दिल्ली के राजस्व को नहीं बल्कि खुद की जेबें भरने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कहते थे कि अगर कोई भ्रष्टाचार है तो वह देश का गद्दार है। इसलिए उन्हें पद पर रहने का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में अब सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया के लिए वे क्या कहेंगे जो आज तक भ्रष्टाचार का दामन थामने के बाद भी पार्टी और पद पर बने हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कस्तूरबा नगर कोटला में हुए विरोध प्रदर्शन में सिसोदिया के इस्तीफ़े की मांग करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सच्चाई आज जब पूरी तरह से बाहर आ गई है तो वह आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रही है, लेकिन यह सब करके वह अपनी गुनाहों से बच नहीं सकती। आप सरकार को बताना पड़ेगा कि आखिर मास्टर प्लान और नियमों को ताक पर रखकर शराब के ठेके क्यों खोले गए? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले अब खुद ही भ्रष्टाचार में फंसे हुए हैं।

दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर हुए विरोध प्रदर्शन में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. हर्षवर्धन, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विजय गोयल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री मनोज तिवारी, सांसद श्री रमेश बिधूड़ी एवं श्री प्रवेश साहिब सिंह, असम के सह-प्रभारी श्री पवन शर्मा, जम्मू कश्मीर के सह प्रभारी श्री आशीष सूद, विधायक श्री विजेन्द्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत सिंह चहल, श्री हर्ष मल्होत्रा एवं श्री दिनेश प्रताप सिंह सहित प्रदेश, मोर्चा, जिला एवं मंडल के पदाधिकारी और हज़ारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। ■

तेलंगाना के विकास के लिए राज्य की भ्रष्टाचारी टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 21 अगस्त, 2022 को मुनुगोड़े, नलगोंडा (तेलंगाना) में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और तेलंगाना के विकास के लिए राज्य की भ्रष्टाचारी टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। मुनुगोड़े के पूर्व विधायक श्री कोमातीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी अपने समर्थकों के साथ श्री अमित शाह की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। भारी जनसैलाब इस विशाल जनसभा में उपस्थित था। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बांदी संजय कुमार, पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री मुरलीधर राव एवं पार्टी के कई नेता, सांसद एवं विधायक उपस्थित थे। वे भाजपा कार्यकर्ता एन. सत्यनारायणजी के घर गए, उनका हाल-चाल जाना और जलपान किया। श्री शाह ने बेगमपेट हवाई अड्डे पर विभिन्न किसान समूहों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं भी सुनीं।

केसीआर मजलिस के डर से तेलंगाना विमोचन दिवस नहीं मनाते हैं। चिंता मत कीजिये, तेलंगाना में अगले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बननेवाली है। हमारी सरकार आने के बाद हर सितंबर में तेलंगाना विमोचन दिवस मनाया जाएगा

श्री शाह ने कहा कि तेलंगाना की केसीआर सरकार वादाखिलाफी करने वाली सरकार है। विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार में केसीआर ने कहा था कि तेलंगाना में टीआरएस की सरकार बनेगी तो सितंबर में तेलंगाना विमोचन दिवस मनाया जाएगा। मैं आज तेलंगाना की जनता को याद दिलाने आया हूं कि देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने रजाकारों के आतंक से यहां की जनता को मुक्ति दिलाकर भारत के साथ जोड़ा था। केसीआर मजलिस के डर से तेलंगाना विमोचन दिवस नहीं मनाते हैं। चिंता मत कीजिये, तेलंगाना में अगले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बननेवाली है। हमारी सरकार आने के बाद हर सितंबर में तेलंगाना विमोचन दिवस मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केसीआर एंड कंपनी वादाखिलाफी करनेवाली कंपनी है। केसीआर ने तेलंगाना की जनता से वादा किया था कि राज्य के हर बेरोजगार युवा को 3,000 रुपये भत्ता दिया जाएगा, लेकिन आज तक बेरोजगार युवाओं को यह सहायता नहीं मिली। हर जिले में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाने का वादा टीआरएस सरकार ने किया था। नलगोंडा में आज तक नहीं बना। केसीआर ने वादा किया था कि राज्य के हर गरीब को दो बेडरूम का घर देंगे। अरे, घर मिलना तो दूर की बात, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो टॉयलेट्स दे रहे हैं, केसीआर उसमें भी अड़ंगा लगा रहे हैं।

केसीआर पर करारा प्रहार जारी रखते हुए श्री शाह ने कहा कि हमारे एटाला राजेन्द्रजी को हराने के लिए उपचुनाव में केसीआर ने तेलंगाना की जनता से वादा किया था कि राज्य के हर दलित के घर में 10 लाख रुपये भेजेंगे, लेकिन किसी भी दलित भाई को अब तक ये लाभ नहीं मिला। केसीआर तेलंगाना के हर दलित बंधु को तीन-तीन एकड़ और ट्राइबल भाइयों को एक-एक एकड़ की भूमि देनेवाले थे, अब तक नहीं दिया। 2014 से तेलंगाना में शिक्षा में भर्तियां बंद है। भर्ती यदि चल रही है तो केवल केसीआर के परिवार में चल रही है, बांकी कहीं नहीं। अब तक तेलंगाना के किसानों को 'प्रधानमंत्री फसल बीमा' के लाभ से केसीआर ने वंचित कर रखा है। यदि किसानों को फसल बीमा का लाभ मिल रहा होता तो बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए फसलों के लिए हर किसान को बीमा मिल पाता। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से दूर रखने का पाप किया है केसीआर ने। तेलंगाना की केसीआर सरकार किसान विरोधी सरकार है। केंद्र की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने केसीआर से राज्य के किसानों से 'सेला चावल' एमएसपी पर खरीदे, लेकिन टीआरएस सरकार खरीदने के लिए तैयार नहीं है। मैं आज इस मंच से किसानों से कहना चाहता हूं कि आप तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाइये, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना की भाजपा सरकार राज्य के हर किसान से हर किलो 'सेला चावल' खरीदेगी।

श्री शाह ने मुनुगोड़े की जनता से अपील करते हुए कहा कि आप श्री राजगोपाल रेड्डीजी को उपचुनाव में प्रचंड बहुमत से जिताइये। ■

अमृत काल में एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए भारत की श्रम शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव एवं श्री रामेश्वर तेली और राज्यों के श्रम मंत्री उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत भगवान तिरुपति बालाजी को नमन कर की। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि अमृत काल में एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए भारत के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने में भारत की श्रम शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है और इस सोच के साथ देश संगठित और असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों के लिए निरंतर काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसे सरकार के विभिन्न प्रयासों को दोहराया, जिन्होंने श्रमिकों को एक प्रकार का सुरक्षा कवच प्रदान किया है। इन योजनाओं ने श्रमिकों को उनकी मेहनत और योगदान को मान्यता देने का आश्वासन दिया है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि एक अध्ययन के अनुसार आपातकालीन ऋण गारंटी योजना ने महामारी के दौरान 1.5 करोड़ नौकरियों को बचाया।

> पिछले आठ वर्षों में सरकार ने गुलामी की मानसिकता के दौर वाले और उसे दर्शाने वाले उस अवधि के कानूनों को खत्म करने की पहल की है। "देश अब बदल रहा है, इसमें सुधार हो रहा है, ऐसे श्रम कानूनों को सरल बना रहा है"

श्री मोदी ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल श्रम बल को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। केवल एक वर्ष में पोर्टल पर 400 क्षेत्रों के लगभग 28 करोड़ श्रमिकों को पंजीकृत किया गया है। इससे निर्माण श्रमिक, प्रवासी मजदूर और घरेलू कामगार विशेष रूप से लाभान्वित हुए हैं। श्री मोदी ने सभी मंत्रियों से राज्य के पोर्टलों को ई-श्रम पोर्टल से जोड़ने का अनुरोध किया।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने गुलामी की मानसिकता के दौर वाले और उसे दर्शाने वाले उस अवधि के कानूनों को खत्म करने की पहल की है। "देश अब बदल रहा है, इसमें सुधार हो रहा है, ऐसे श्रम कानूनों को सरल बना रहा है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "इसे ध्यान में रखते हुए 29 श्रम कानूनों को 4 सरल श्रम संहिताओं में बदल दिया गया है।" यह न्यूनतम मजदूरी, नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा के माध्यम से श्रमिकों का सशक्तीकरण सुनिश्चित करेगा।

श्री मोदी ने बदलते परिदृश्य के अनुसार बदलाव की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने तेजी से निर्णय लेने और उन्हें तेजी से लागू करके चौथी औद्योगिक क्रांति का पूरा लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्लेटफॉर्म और गिग इकोनॉमी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने काम के उभरते आयामों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश का श्रम मंत्रालय अमृत काल में वर्ष 2047 के लिए अपना विजन तैयार कर रहा है। यह दोहराते हुए कि भविष्य में काम के अनुकूल कार्यस्थलों, वर्क फ्राम होम इकोसिस्टम और लचीले काम के घंटों की आवश्यकता होगी। श्री मोदी ने कहा कि हम महिलाओं की श्रम शक्ति की भागीदारी के अवसरों के रूप में काम के अनुकूल कार्य स्थलों जैसी व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं।

भारत के डेमोग्रफिक डिवीडेंट (अर्थात कुल आबादी में काम करने वाले लोगों का अनुपात अधिक है) पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 21 वीं सदी में भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसका कितना अच्छा उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा, "हम उच्च गुणवत्ता वाला कुशल कार्यबल तैयार करके वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।"

श्री मोदी ने इस तथ्य से अवगत कराया कि हमारे भवन और निर्माण श्रमिक हमारे कार्यबल का एक अभिन्न अंग हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध किया कि उनके लिए जो 'उपकर' की व्यवस्था की गई है, उसका पूरा उपयोग करें। उन्होंने कहा, "मुझे बताया गया है कि इस उपकर में से लगभग 38,000 करोड़ रुपये का अभी तक राज्यों द्वारा उपयोग नहीं किया गया है।" उन्होंने सभी से इस बात पर ध्यान देने का आग्रह किया कि कैसे ईएसआईसी आयुष्मान भारत योजना के साथ मिलकर अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभान्वित कर सकती है। ■

युवाओं को रोजगार और बेरोजगारी भत्ता की मांग को लेकर भाजयुमो ने निकाला मार्च

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 24 अगस्त, 2022 को छत्तीसगढ़ में बढ़ती बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बलात्कार और आत्महत्या के मामलों को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार के विरुद्ध एक मार्च निकाला। इस मार्च का नेतृत्व भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने किया।

कांग्रेस पार्टी द्वारा युवाओं के लाभ और कल्याण के लिए अनेक वादे किए गए थे, लेकिन ये 45 महीने बाद भी पूरे नहीं हुए, भाजयुमो ने इसका विरोध किया।

भाजयुमो ने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी दर पर आवाज बुलंद किया। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को 2,500 रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने में विफल रही है। श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाए। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के हर विभाग में माफियाराज को बढ़ावा दे रही है।

भाजयुमो ने इस आंदोलन के जरिए नशीली दवाओं के खतरे, राज्य भर में बलात्कार और युवाओं के आत्महत्या के बढ़ते मामलों और सरकारी रोजगार क्षेत्र में भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को भी उठाया।

भाजयुमो ने रोजगार और खेल के क्षेत्र में युवा कल्याण के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में राज्य सरकार की विफलता पर भी प्रहार किया। भाजयुमो के घेराव ने पूरी राज्य सरकार और उसके भ्रष्ट तंत्र को हिलाकर रख दिया। ■

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 अगस्त, 2022 को पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह को हिमाचल प्रदेश में होनेवाले विधानसभा चुनावों हेतु चुनाव प्रभारी एवं श्री देवेन्द्र सिंह राणा को चुनाव सह-प्रभारी नियुक्त किया है। ■

विचलित करनेवाली है विभाजन विभीषिका की व्यथा कथा

तरुण चुघ

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली। हर साल 15 अगस्त हम देशवासी स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए यह एक खुशी और गर्व का अवसर होता है, लेकिन भारत को स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ विभाजन का आघात भी सहना पड़ा। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ, जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े। स्वतंत्रता मिलने से ठीक एक दिन पहले जो देश को एक दंश मिला, उसे पहली बार किसी सरकार ने विभाजन की विभीषिका को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय त्रासदी की मान्यता देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत वर्ष घोषणा की थी कि प्रतिवर्ष 14 अगस्त विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह विचलित करनेवाली घटना थी, ऐसी भीषण त्रासदी थी, जिसमें करीब दस लाख लोग मारे गए और डेढ़ करोड़ लोगों का पलायन हुआ। उसे भारतीय स्मृति पटल से या तो मिटाने का प्रयास किया गया या फिर उसके प्रति जानबूझकर उदासीनता बरती गई। इस त्रासदी के घाव इतने गहरे हैं कि आज भी देश के बहुत बड़े हिस्से, खासकर पंजाब और बंगाल में बुजुर्ग लोग 15 अगस्त को सिर्फ विभाजन के ही रूप में याद करते हैं। यह राजनीतिक निर्बलता का ही परिचायक है, जो त्रासदी मानव इतिहास में सबसे बड़े पलायन की वजह बनी। विश्व के अन्य देशों में छोटी-बड़ी त्रासदियों को सामूहिक चेतना में जीवित रखने के हरसंभव प्रयास होते रहते हैं। इसके लिए स्मृति दिवस निर्धारित किए हुए हैं। इन प्रयोजनों का आशय विभीषिका की क्रूरता में दिवंगत हुई आत्माओं को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उन राजनीतिक शक्तियों एवं वैचारिक प्रेरणाओं के प्रति सजगता बनाए रखना भी होता है, जो समाज के लिए पुनः खतरा बन सकती हैं।

वर्ष 1947 में भारत का विभाजन भी कोई अनायास हुई घटना नहीं थी। इसके बावजूद विभाजन की विभीषिका की सरकारी उपेक्षा तुष्टीकरण के कारण अलगाववाद से मुंह मोड़ने की कोशिश थी। 75 वर्ष पुराने निर्णय के लिए आज की पीढ़ी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, परंतु इसे भी झुठलाया नहीं जा सकता कि अलगाववाद और चरमपंथ आज भी कई क्षेत्रों में उफान पर है। चाहे वह कश्मीर से हिंदुओं का पलायन हो या नागरिकता संशोधन कानून जैसे मानवीय कदम का हिंसक विरोध, मजहबी उन्माद आज भी एक सच्चाई है। यह विभाजन की विभीषिका पर लगातार बनी रही उदासीनता का ही परिणाम है कि वंदे मातरम् का विरोध और मजहबी आधार पर आरक्षण जैसी मांगें स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी मुखर हैं, जो उस समय विभाजन का कारण बनीं थी। राष्ट्र जीवन में सिर्फ हिंदू प्रतीकों का ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का अपमान भी अब आम हो चला है।

> **विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मात्र घटनाओं को याद करने का अवसर नहीं है। इससे वे हिंसक और असहिष्णु विचारधारा भी कठघरे में खड़ी होती हैं, जो इन त्रासदियों का कारण बनती हैं। विभीषिकाओं की स्मृति हमें निरंतर याद दिलाती है कि कैसे देश विरोधी भावनाओं को भड़काकर राष्ट्र को झकझोर सकती हैं**

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मात्र घटनाओं को याद करने का अवसर नहीं है। इससे वे हिंसक और असहिष्णु विचारधारा भी कठघरे में खड़ी होती हैं, जो इन त्रासदियों का कारण बनती हैं। विभीषिकाओं की स्मृति हमें निरंतर याद दिलाती है कि कैसे देश विरोधी भावनाओं को भड़काकर राष्ट्र को झकझोर सकती हैं। ऐसे अभिप्राय जनमानस को पूछने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या विभाजन जैसी विभीषिका से देश को पर्याप्त सबक मिले या नहीं। स्मृति दिवस की घोषणा कर प्रधानमंत्री ने जताया है कि देश अपनी सबसे क्रूर त्रासदी में मारे गए लोगों के प्रति संवेदनशील है और साथ ही ऐसी दुःखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कटिबद्ध भी।

राष्ट्र के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को उचित श्रद्धांजलि के रूप में सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस तरह के दिवस की घोषणा से देशवासियों की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेले गए दर्द और पीड़ा की याद आएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा था, "देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक

सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।"

विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है, जिससे लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों एवं शहरों को छोड़ना पड़ा और शरणार्थी के रूप में एक नया जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। 14-15 अगस्त, 2021 की आधी रात को पूरा देश 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा होगा, लेकिन इसके साथ ही विभाजन का दर्द और हिंसा भी देश की स्मृति में गहराई से अंकित है, हालांकि देश बहुत आगे बढ़ गया है और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन, देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र, मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को भी नमन करता है, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी। यही वजह है कि 15 अगस्त, 2021 को भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बताया कि आज से प्रतिवर्ष 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। आजादी की सालगिरह के ठीक एक दिन पहले देश के बंटवारे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दर्द छलक उठा। उन्होंने दो टूक शब्दों में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और लाखों लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में प्रतिवर्ष 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है।

15 अगस्त 1947 की सुबह ट्रेनों, घोड़े-खच्चर और पैदल ही लोग अपनी ही मातृभूमि से विस्थापित होकर एक-दूसरे के दुश्मन बन चुके थे। अपने पैतृक घरों को छोड़ने की पीड़ा, वह रास्ते में परिजनों का खो जाना या संप्रदाय की आग में जल जाना के बीच लाखों लोग आश्रय ढूंढ रहे थे। बंटवारे के दौरान भड़के दंगे और हिंसा में लाखों लोगों की जान चली गईं। इस विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सभी बलिदानियों को नमन। श्रद्धेय भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की इन दो पंक्तियों को आत्मसात करें:

उस स्वर्ण दिवस के लिए आज से कमर कसें बलिदान करें।
जो पाया उसमें खो न जाएं, जो खोया उसका ध्यान करें॥ ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

एससीओ सदस्य देशों को आतंकवाद से मिलकर लड़ना चाहिए : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने और इसके सभी रूपों में खतरे को खत्म करने का आह्वान किया है। 24 अगस्त, 2022 को उज्बेकिस्तान के ताशकंद में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद सहित किसी भी रूप में आतंकवाद, किसी के द्वारा और किसी भी उद्देश्य के लिए, मानवता के खिलाफ एक अपराध है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। भारत सभी प्रकार के आतंकवाद से लड़ने और क्षेत्र को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं स्थिर बनाने के अपने संकल्प को दोहराता है। हम एससीओ सदस्य देशों के साथ संयुक्त संस्थागत क्षमताओं को विकसित करना चाहते हैं, जो प्रत्येक देश की संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए व्यक्तियों, समाजों तथा देशों के बीच सहयोग की भावना पैदा करे।"

इस संदर्भ में रक्षा मंत्री ने 2023 में एससीओ सदस्य राज्यों के रक्षा मंत्रालयों के लिए 'मानवीय सहायता एवं आपदा राहत – जोखिम शमन एवं आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा' विषय पर भारत में एक कार्यशाला की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने एससीओ देशों के रक्षा थिंक टैंकों के बीच 'रुचि के विषय' पर एक वार्षिक संगोष्ठी के आयोजन का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, "हम 2023 में भारत में इस तरह का पहला ऐसा रक्षा थिंक टैंक सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव रखते हैं।"

श्री राजनाथ सिंह ने एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं स्थिर अफगानिस्तान के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की बात कही, साथ ही यहां के आंतरिक मामलों में इसकी संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता, राष्ट्रीय एकता में हस्तक्षेप न करने पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह और प्रशिक्षण प्रदान करके तथा वित्तीय सहायता के माध्यम से उनकी गतिविधियों का समर्थन करके किसी भी देश को डराने या हमला करने के लिए अफगान ज़मीन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यूक्रेन की स्थिति पर भारत की चिंता व्यक्त करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नई दिल्ली इस संकट को हल करने के लिए रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता का समर्थन करती है। ■

अमृत काल के अटल प्रण से भारत बनेगा विकसित राष्ट्र, युवाओं पर बड़ी जिम्मेदारी

राजू बिष्ट

भारत विकसित राष्ट्र कैसे बनेगा? प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लाल किले की प्राचीर से दिए गए भाषण में पूरी झलक दिखती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो रोडमैप साझा किया, उसे धरातल पर उतारने की पहली जिम्मेदारी देश के युवाओं की है। कहते हैं कि ...जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है...। दुनिया में जहां भी बदलाव हुए हैं, वहां तरुणाई ने हमेशा नेतृत्व किया है। भारत सर्वाधिक युवाओं वाला देश है। युवा ही इस देश की तस्वीर और तकदीर बदल सकते हैं। यूएनडीपी के आंकड़ों के अनुसार दुनिया के 121 करोड़ युवाओं में सर्वाधिक भारत में 21 प्रतिशत युवा हैं। दुनिया की कुल युवा आबादी के 57 प्रतिशत युवा सिर्फ 10 देशों में रहते हैं, जिनमें भारत का स्थान शीर्ष पर है। भारतीय जनता पार्टी का युवा सांसद और युवा मोर्चा का राष्ट्रीय महासचिव होने के नाते मैं समझता हूं कि देश के युवाओं के कंधों पर मोदी जी ने आजादी के अमृत काल में ऐतिहासिक जिम्मेदारी सौंपी है।

आज जब हम आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं तो जहां पिछले 75 साल में देश के संकल्पों को पूरा करने वाले सभी लोगों के योगदान का स्मरण करने का अवसर है। वहीं अमृत काल के आने वाले 25 वर्षों पर अपनी शक्ति और सामर्थ्य को केंद्रित भी करना है। तभी वर्ष 2047 में देश आजादी के सौ साल पूरा करने के अवसर पर एक शक्तिशाली और विकसित राष्ट्र का सपना साकार होगा।

भारत लोकतंत्र की जननी है। भारत की विविधता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। हमें अपनी विविधता को सबसे बड़ी ताकत बनाते हुए देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जी-जान से जुटना होगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति को समर्थ बनाने की जो आकांक्षा थी, आज वह मोदी जी के नेतृत्व में साकार हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है कि भारतीयों में भारतीयता की सामूहिक चेतना का पुनर्जागरण हुआ है। इसी सामूहिक चेतना के कारण भारत के विकसित राष्ट्र का संकल्प और मजबूत हो रहा है। आज जन कल्याण से जग कल्याण की राह पर चलने वाला भारत पहला राष्ट्र है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है कि भारतीयों में भारतीयता की सामूहिक चेतना का पुनर्जागरण हुआ है। इसी सामूहिक चेतना के कारण भारत के विकसित राष्ट्र का संकल्प और मजबूत हो रहा है। आज जन कल्याण से जग कल्याण की राह पर चलने वाला भारत पहला राष्ट्र है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से सच ही कहा कि जब समूची दुनिया कोरोना के काल खंड में वैक्सीन लेना या न लेना, वैक्सीन काम की है या नहीं है, उस उलझन में जी रही थी। उस समय भारत ने दो सौ करोड़ डोज का लक्ष्य हासिल करके दुनिया को चौंका देने वाला काम कर दिखाया है। आज सचमुच विश्व भारत की तरफ गर्व और अपेक्षा से देख रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और त्वरित निर्णय शक्ति के कारण आज दुनिया के शक्तिशाली देश भी तमाम समस्याओं के समाधान के लिए भारत को मार्गदर्शक के तौर पर देखने लगे हैं। विश्व का यह बदलाव, विश्व की सोच में यह परिवर्तन 75 साल की हमारी अनुभव यात्रा का परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूमिका सिर्फ एक राजनेता तक सीमित नहीं है। मैं उन्हें प्रधान सेवक के साथ ही देश का पथ-प्रदर्शक और समाज सुधारक भी मानता हूं। पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने तमाम अभियानों के जरिए देश में समाज सुधार की क्रांति जगाई है। जब उन्होंने स्वच्छता अभियान शुरू किया तो जन-जन ने गंदगी के प्रति जंग छेड़ दी। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से जो 'पंच प्रण' देश के सामने रखे, उस पंच प्रण पर यदि जनता और जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने ईमानदारी से अमल किया तो फिर दुनिया की कोई ताकत भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती।

आने वाले 25 साल यानी अमृतकाल के लिए हमें पंच प्रण पर पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि देश को विकसित बनाने के लिए बड़े संकल्प लेकर चलना होगा। दूसरा प्रण है हमें अपने मन के भीतर, आदतों के भीतर गुलामी का कोई अंश बचने नहीं देना है। यह सच है कि जब हमारे अंदर गुलामी की भावना रहेगी तो हम हीनभावना से ग्रस्त रहेंगे। आज भी भारतीयों का एक वर्ग गुलामी की मानसिकता में जी रहा है। देश में एक ऐसा वर्ग है जो स्वदेशी प्रतीकों, संस्कारों और उपलब्धियों

पर कटाक्ष करता रहता है। कोरोना काल में हम देख चुके हैं कि किस तरह से जब दुनिया में वैक्सीन को लेकर हायतौबा मची थी, तब भारत एक नहीं कई वैक्सीन बनाने में सफल रहा, लेकिन अपने ही देश में एक वर्ग ने स्वदेशी वैक्सीनों की गुणवत्ता पर सवाल उठाकर देश की जनता को भ्रमित करने की कोशिश की। गुलामी की मानसिकता वाले नागरिकों के दम पर कोई देश आगे नहीं बढ़ सकता। इसी वजह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंच प्रण में गुलामी के अंश से मुक्ति की भी बात कही। प्रधानमंत्री ने एकता और एकजुटता तथा नागरिक कर्तव्य को भी पंच प्रण में शामिल कर बताया है कि किसी विकसित राष्ट्र के लिए ये जरूरी तत्व हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को दो बड़ी चुनौतियों से आगाह किया। पहली चुनौती - भ्रष्टाचार, दूसरी चुनौती— भाई-भतीजावाद और परिवारवाद। वर्ष 2014 से पहले भ्रष्टाचार की खबरों से अखबार भरे रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने कार्यसंस्कृति में आमूलचूल परिवर्तन किया। डीबीटी स्कीम से सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ जनता तक पहुंचने लगा। आज भ्रष्टाचारियों को केंद्र में ईमानदार सरकार बर्दाश्त नहीं हो रही है। सरकार के खिलाफ तरह-तरह की साजिशें चल रहीं हैं। ऐसे लोगों के टूलकिट भी एक्सपोज हो चुके हैं। कभी मंत्रालयों में बिचौलिये मंडराते थे। जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करते थे। आज मंत्रालयों में सख्त पहरेदारी से अनवांटेड लोगों की घुसपैठ नहीं हो पा रही है। प्रधानमंत्री मोदीजी के आने के बाद देश की राजनीति में परिवारवाद पर करारा प्रहार हुआ है। अब राजा का बेटा ही राजा बनेगा- ऐसी बात नहीं रही। परिवारवाद से प्रतिभाओं का नाश होता है। राजनीति अब चंद घरानों की बपौती नहीं रही। आज मुझ जैसा एक सामान्य परिवार का युवा भी अगर सांसद बना है तो यह जमीन से उठाकर जिम्मेदारी देने की भाजपा की विशेष कार्यपद्धति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देन है। प्रधानमंत्री ने सच ही कहा कि नौजवानों के उज्ज्वल भविष्य के लिए, आपके सपनों के लिए मैं भाई-भतीजावाद के खिलाफ लड़ाई में आपका साथ चाहता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक चिंतक भी हैं। उनके भाषणों में उनका चिंतन हमें दिखता भी है। अमूमन, लाल किले की प्राचीर से संबोधन में प्रधानमंत्री देश की उपलब्धियों की चर्चा परंपरागत रूप से करते रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने हर संबोधन में कुछ नई बात, कुछ नई अपील की है। प्रधानमंत्री ने जेंडर इक्वैलिटी को सामाजिक एकता की पहली शर्त बताते हुए समाज की उस विकृति की तरफ जनता का ध्यान खींचा, जिसमें वाणी और व्यवहार से जाने-अनजाने में नारी के अपमान की घटनाएं होती हैं। आजादी के अमृत काल में देश के हर युवा को नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प लेना होगा, क्योंकि नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बहुत बड़ी पूंजी बनने वाला है।

आजादी के अमृत काल में देश के हर युवा को नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प लेना होगा, क्योंकि नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बहुत बड़ी पूंजी बनने वाला है

जय अनुसंधान

कोई राष्ट्र तभी शक्तिशाली बन सकता है, जब अनुसंधान पर जोर दिया जाए। अमेरिका आदि विकसित राष्ट्रों की तुलना में अभी भारत में अनुसंधान को उतना महत्व नहीं मिल पाया है। लाल बहादुर शास्त्री जी ने 'जय जवान-जय किसान' के नारे से देश को नई दिशा दी थी तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इसमें 'जय विज्ञान' की कड़ी जोड़कर नारे को और सार्थक किया था। विज्ञान के साथ अब अनुसंधान की जरूरत महसूस करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'जय अनुसंधान' का नया नारा जोड़ा है। आजादी के अमृतकाल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अनुसंधान पर बड़े पैमाने पर जोर देना होगा। 'जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान और जय अनुसंधान' के दम पर ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकेगा। आज मोदी सरकार में अनुसंधान यानी इनोवेशन को बढ़ावा मिल रहा है। आज विश्व में रियल टाइम 40 प्रतिशत अगर डिजिटली फाइनेशियल का ट्रांजेक्शन हो रहा है तो वह सिर्फ भारत में हो रहा है। यूपीआई जैसे अनुसंधान से यह संभव हुआ है। मैं समझता हूं कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में देश के युवाओं की अहम भूमिका होने वाली है। प्रधानमंत्री का लाल किले की प्राचीर से दिया गया भाषण, आजादी के अमृत काल में हम युवाओं के लिए पथ-प्रदर्शक का कार्य करेगा। ■

(लेखक दार्जिलिंग के लोकसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

सर्वाधिक लोकप्रिय वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता बरकरार

टाइम्स ऑफ़ इंडिया में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस वर्ष की शुरुआत से ही 70% से अधिक की अनुमोदन रेटिंग के साथ सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता बने हुए हैं। यूएस कंसल्टिंग फर्म 'मॉर्निंग कंसल्ट' द्वारा किए गए नवीनतम सर्वेक्षण से पता चलता है कि 74% अनुमोदन रेटिंग के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। उसके बाद मेक्सिको के राष्ट्रपति सर्वश्री एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर (69%), ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ (58%), स्वीडन की प्रधानमंत्री सुश्री मैग्डेलेना एंडरसन

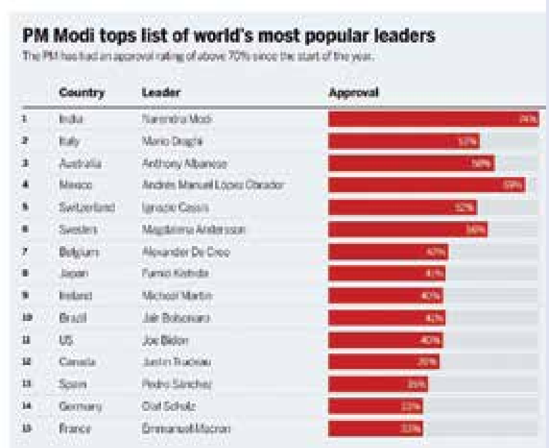

(56%), इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी (53%) और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति इग्नाजियो कैसिस (52%) का स्थान है। ■

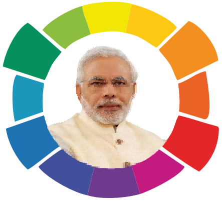

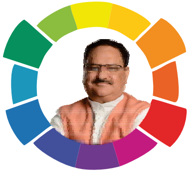

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1).............................. (2)..............................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.............................. दिनांक :.............................. बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

दिल्ली में 15 अगस्त, 2022 को 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पर गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 13 अगस्त, 2022 को राष्ट्रमंडल खेल 2022 के प्रतिभागी दल के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दिल्ली में 15 अगस्त, 2022 को 76वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' झंडा फहराते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पानीपत रिफाइनरी (हरियाणा) में 10 अगस्त, 2022 को इंडियन ऑयल के इथेनॉल संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली से 19 अगस्त, 2022 को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पणजी में 'जल जीवन मिशन' के तहत 'हर घर जल उत्सव' को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह